आज का सुविचार

निश्चित होने पर भी लड़ने का पराक्रम दिखलाता है।
- इलियट

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-24 भोपाल, रविवार 05 दिसम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

पंचांग

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष
पंचमी, रविवार 22
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:40/5:36
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	22 %
वायु (किमी/घं.)	08
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 48,050

मध्यप्रदेश : उज्जैन में बोले गृह मंत्री- ओमिक्रॉन से डरने की जरूरत नहीं, मप्र सरकार के पास पर्याप्त मात्रा में इंजेक्शन और दवाएं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्य प्रदेश के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा शनिवार को उज्जैन पहुंचे। उन्होंने महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए। त्रिवेणी स्थित शनि मंदिर व मंगलनाथ मंदिर में भी दर्शन के लिए गए। कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन को लेकर कहा कि डरने की जरुरत नहीं है। मप्र सरकार के पास पर्याप्त मात्रा में इंजेक्शन व दवाएं हैं। गृह मंत्री डॉ. मिश्रा के साथ उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव व अन्य नेता थे। उन्होंने महाकाल मंदिर पहुंचकर दर्शन किए। मंगलनाथ मंदिर व शनि देव मंदिर में भी पूजन किया। महाकालेश्वर मंदिर में गृह मंत्री करीब आधा घंटा रूके। इसके बाद मंगलनाथ मंदिर पहुंचकर अभिषेक किया। त्रिवणी स्थित शनि मंदिर में शनिदेव का अभिषेक व पूजा अर्चना की। यहां से वे इंदौर के लिए रवाना हुए।

जेलर पर लगे आरोपों की बारीकी से जांच हो रही

मीडिया से हुई चर्चा में गृह मंत्री ने कहा कि मप्र को ओमिक्रॉन से डरने की जरूरत नहीं है। सरकार के पास पर्याप्त मात्रा में रेमडेसिविर इंजेक्शन व दवाएं हैं। अस्पतालों में पर्याप्त बिस्तर हैं और प्रदेश में लगभग सभी जगह ऑक्सीजन प्लांट चालू हालत में हैं। महाकाल मंदिर के गर्भगृह में श्रद्धालुओं के प्रवेश को लेकर उन्होंने कहा कि कोरोना को लेकर दहशत की जरूरत नहीं है। ओमिक्रान वैरिएंट को लेकर कहा कि मध्य प्रदेश सरकार इससे निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उज्जैन की केंद्रीय जेल के प्रहरी और जेलर पर लगे आरोपों पर कहा कि इसकी

मोदी ने उत्तराखंड में 18 हजार करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को उत्तराखंड में 18 हजार करोड़ रुपए की 11 योजनाओं का शिलान्यास किया। उनकी मेगा रैली के लिए देहरादून के परेड ग्राउंड में हजारों लोगों की भीड़ पहुंची है। जिन प्रोजेक्ट्स का मोदी शिलान्यास ने शिलान्यास किया, उसमें टूरिज्म, सड़क और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कई प्रोजेक्ट शामिल हैं। इसमें 8,300 करोड़ का दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर भी शामिल है। इससे दिल्ली और देहरादून का सफर 6 घंटे से घटकर 2.5 घंटे हो जाएगा।

राजनाथ बोले- युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने में MSMEs बड़ी भूमिका

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स की ओर से आयोजित MSME कॉन्क्लेव को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश के युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने और उनके सपनों को पूरा करने में MSME बड़ी भूमिका निभा रही हैं। सिंह ने कहा, पूर्व में हमारी MSME को वह अटेंशन नहीं मिल पाया जिसकी वे हकदार थीं।

मैंने किसी से माफी नहीं मांगी, कृषि कानूनों के हक में बोलती रहूंगी

पंजाब। पंजाब में विरोध झेलने के बाद बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनोट ने फिर तेवर दिखाए हैं। उन्होंने कहा कि मुझे न किसी ने माफी मांगने को कहा और न ही मैंने किसी से माफी मांगी है। कंगना ने सोशल मीडिया पर यह लिखकर पोस्ट किया है।

गुजरात में ओमिक्रॉन का पहला मामला

जिम्बाब्वे से जामनगर लौटे 72 वर्षीय शख्स के जीनोम सैंपल में पुष्टि

देश में तीन हुए ओमिक्रॉन वैरिएंट के मामले

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में कर्नाटक के बाद अब गुजरात में भी कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन का एक मामला सामने आ गया है। यह केस गुजरात के जामनगर शहर में मिला है। ओमिक्रॉन से संक्रमित मिला शख्स हाल ही में जिम्बाब्वे से जामनगर लौटा था। एयरपोर्ट पर कोरोना का टेस्ट कराने के दौरान उसका सैंपल पॉजिटिव मिलने पर जीनोम सीक्वेंसिंग कराई गई, जिसमें उसे नए वैरिएंट से संक्रमित पाया गया। देश में अब नए वैरिएंट के तीन मामले हो गए हैं। जिम्बाब्वे दक्षिण अफ्रीका का पड़ोसी देश है। दक्षिण अफ्रीका में ही सबसे पहले ओमिक्रॉन की पुष्टि हुई थी। इसके चलते केंद्र सरकार ने 1 दिसंबर से लागू की नई गाइडलाइंस में दक्षिण अफ्रीका के आसपास के सभी देशों को एट रिस्क कंट्रीज में शामिल किया है।

चार लोगों की रिपोर्ट आई थी पॉजीटिव

स्वास्थ्य सचिव मनोज अग्रवाल ने बताया कि अफीक्री देशों से आए चार मरीजों की कोविड टेस्ट रिपोर्ट पॉजीटिव आई थी। चारों का सैंपल जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए पुणे भेजा गया था। इन्हीं में से एक 72 वर्षीय बुजुर्ग को ओमिक्रॉन से संक्रमित पाया गया। फिलहाल मरीज को डेंटल कॉलेज के आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है।

कर्नाटक में मिले थे दो ओमिक्रॉन संक्रमित:- देश में नए वैरिएंट के अब तीन मरीज हो गए हैं। इससे पहले गुरुवार को कर्नाटक में कोरोना के नए वैरिएंट के दो केस मिले थे। ये मरीज 66 और 46 साल के हैं। ये दोनों ही शख्स वैक्सीन की दोनों डोज ले चुके हैं।

सूरत में एक ही परिवार के तीन लोग कोरोना पॉजिटिव:- गुजरात में सूरत के रांदेर की श्रीनाथ सोसाइटी में एक दंपती और उनके बेटे की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है। तीनों संक्रमितों की कोई ट्रैवेल हिस्ट्री नहीं है। दंपती वैक्सीन की दोनों डोज भी ले चुके हैं। अब इस सोसाइटी को क्लस्टर घोषित कर दिया गया है। प्रशासन इसे लेकर अलर्ट हो गया है। सोसाइटी में कोरोना टेस्टिंग बढ़ाई जा रही है।

उपराष्ट्रपति से मिला कोरोना संक्रमित

मंगोलिया से बोध गया आए 23 सदस्यों के शिष्टमंडल में से एक व्यक्ति की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है। इसकी RT-PCR रिपोर्ट पॉजिटिव आते ही दिल्ली से लेकर गया तक हड़कंप मच गया। मंगोलिया के संसद के अध्यक्ष गोम्बोजव झंडनशतर के नेतृत्व में आया यह शिष्टमंडल बुधवार को उप राष्ट्रपति वैंकेया नायडू से भी मिला था। गया के छ्रूअभिषेक सिंह ने बताया कि पॉजिटिव सदस्य को मगध मेडिकल कॉलेज के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कर दिया गया है। डॉक्टरों का कहना है, %सैंपल को जांच के लिए बाहर भी भेजा जाएगा, ताकि ओमिक्रॉन को लेकर पुख्ता जानकारी मिल सके। फिलहाल मरीज को 10 दिन के लिए क्वारैंटाइन किया गया है। मंगोलिया की संसद के अध्यक्ष के साथ 23 डेलिगेट्स का यह दल 2 दिसंबर को गया पहुंचा था। सभी लोग दिल्ली से होते हुए गया आए थे। दिल्ली में भी उनका स्वागत किया गया था। गया एयरपोर्ट पर इनकी एंटीजन और ऋञ्ज-क्क्टक्र जांच की गई थी, लेकिन इन्हें क्वारैंटाइन नहीं किया गया था, जबकि भारत सरकार का साफ आदेश है कि हर विदेशी को देश आने पर क्वारैंटाइन किया जाएगा।

तूफान जवाद से लड़ने की तैयारी

आंध्र के 3 जिलों से 54 हजार लोगों को निकाला

ओडिशा में सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बंगाल

बंगाल की खाड़ी में बना साइक्लोन जवाद शनिवार सुबह ओडिशा और आंध्र प्रदेश के उत्तरी तटवर्ती इलाकों से टकराएगा। आंध्र प्रदेश के 3 जिलों विशाखापत्तनम, विजयनगरम और श्रीकाकुलम में 11 NDRF, 5 SDRF, 6 तटरक्षक बल, 10 समुद्री पुलिस दल तैनात किए गए हैं। अभी तक तीनों जिलों के निचले इलाकों से करीब 54 हजार लोगों को निकाला गया है। ओडिशा में ODRAF, NDRF और स्टेट फायर सर्विस की 247 टीमें तैनात की गई हैं। करीब 20 टीमें रिजर्व रखी गई हैं। ज्यादातर जिलों में लोग घरों से बाहर आने के लिए तैयार नहीं हैं, संभावना है कि लोगों को प्रभावित इलाकों से कल निकाला जाएगा। जवाद के रविवार सुबह ओडिशा और आंध्र प्रदेश के दक्षिणी तटवर्ती इलाकों से टकराने की आशंका है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने इस दौरान 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का अनुमान जताया है। ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश में ह्ष्ठक्रस्न की 46 टीमें तैनात की जा चुकी हैं। वहीं, राज्य सरकारों की तरफ से भी एहतियात बरतने के निर्देश जारी किए गए हैं।

जारी रहेगा किसान आंदोलन; आगे की रणनीति के लिए 5 मेंबरी कमेटी बनी; 7 को फिर मीटिंग

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

किसानों पर दर्ज केस रद्द होने तक किसान आंदोलन खत्म नहीं होगा। शनिवार को सिंघु बॉर्डर पर हुई किसानों की मीटिंग में यह फैसला लिया गया। इसके अलावा आगे के संघर्ष की रणनीति तैयार करने के लिए 5 मेंबरी कमेटी बना दी गई है। यही कमेटी स्स्क्कऔर अन्य मुद्दों पर केंद्र से बात करेगी। जिसमें बलबीर सिंह राजेवाल, गुरनाम चढ़ूनी, युद्धवीर सिंह, शिवकुमार कक्का, अशोक धावले शामिल हैं। 7 दिसंबर को फिर संयुक्त किसान मोर्चा की मीटिंग होगी। किसानों ने आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले 702 लोगों की लिस्ट संयुक्त कृषि सचिव को भेज दी है। जिनके बदले केंद्र से मुआवजा मांगा गया है। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्रसिंह तोमर ने संसद में कहा था कि उनके पास आंदोलन में मरने वाले लोगों के बारे में जानकारी नहीं है। पंजाब के अधिकांश किसान संगठन आंदोलन खत्म करने पक्ष में हैं। उनका कहना है कि जिस मांग को लेकर वे यहां आए थे, वह पूरी हो चुकी है।

कृषि कानून हो चुके वापस

जिन कृषि सुधार कानूनों के विरोध में यह आंदोलन शुरू हुआ था, केंद्र सरकार उन्हें वापस ले चुकी है। लोकसभा और राज्यसभा में पास होने के बाद इनकी वापसी पर राष्ट्रपति की मुहर भी लग चुकी है। इसकी घोषणा करते वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने MSP को लेकर कमेटी बनाने की बात भी कही थी, जिसके बाद किसान नेताओं से संपर्क कर 5 नाम भेजने को कहा था।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

ओमिक्रॉन का असर : रेट को जस का तस रख सकता है आरबीआई , देखो और इंतजार करो की नीति पर फोकस

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन की वजह से भारतीय रिजर्व बैंक रेट को जस का तस रख सकता है। सेंट्रल बैंक देखो और इंतजार करो की रणनीति अपना सकता है। उसने इसी तरह का रवैया कोरोना को दौरान अपनाया था।

कोई बदलाव नहीं होगा दरों में

देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री सौम्यकांति घोष कहते हैं कि आरबीआई दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा। अगले हफ्ते 6 से 8 दिसंबर तक इसकी मॉनिटरी पॉलिसी की मीटिंग होगी। इसमें दरों पर फैसला किया जाएगा। हालांकि कोरोना के बाद स्थितियां संभल रही थीं और धीरे-धीरे उन सभी उपायों को वापस लिया जा रहा था, जो पहले शुरू किए गए थे।

ओमिक्रॉन से अलर्ट पर देश

अब फिर से ओमिक्रॉन ने अलर्ट पर ला दिया है। भारत के मामले में कहें तो इसके लिए अच्छा यह है कि करीबन 125 करोड़ लोगों को वैक्सीन लग चुका है। ऐसे में भारत भविष्य में अच्छी तैयारी इस बीमारी से निपटने के लिए कर सकता है। घोष कहते हैं कि हमारा मानना है कि MPC बैठक में रिवर्स रेपो दर में बढ़ोतरी की बातचीत समय से पहले हो सकती है, क्योंकि आरबीआई मोटे तौर पर दरों में बढ़ोतरी और बाजार के शोर-शराबे के बिना अब तक मामले को संभालने में सक्षम रहा है।

रिजर्व बैंक ने संतुलन वाला काम किया है

घोष ने कहा कि हमारा मानना ??है कि महामारी के बाद से, आरबीआई ने संतुलनकारी कार्य किया है। हमें याद रखना होगा कि महामारी अभी खत्म नहीं हुई है। उधर, अमेरिकी फेडरल रिजर्व बैंक ने बांड टेपरिंग कार्यक्रम में तेजी लाने का संकेत दिया है। इससे यह अनुमान से पहले समाप्त हो गया है। रेट्स में बढ़ोतरी भी जल्द हो सकती है। जब तक ओमिक्रॉन, डेल्टा की तुलना में अधिक घातक साबित नहीं होता, यह बदले में डॉलर के मजबूत होने और रुपए के मूल्य में कमी के दबाव का संकेत देगा।

रेपो रेट जस का तस

हालांकि कोटक महिंद्रा असेट मैनेजमेंट की मुख्य निवेश अधिकारी लक्ष्मी अय्यर कहती हैं कि हमें उम्मीद है कि रिजर्व बैंक 15-20 bps यानी 0.15-0.20 फीसदी की बढ़त रिवर्स रेपो में कर सकता है। बैंक रिवर्स रेपो और रेपो रेट के अंतर को कम करने की कोशिश करेगा। हालांकि रेपो रेट को जस का तस ही रखा जाएगा। क्योंकि ओमिक्रॉन का असर इस समय तेजी से दुनिया भर में दिख रहा है। रिवर्स रेपो उसे कहते हैं, जिसके तहत बैंक अपनी ज्यादा नकदी को रिजर्व बैंक के पास जमा कराते हैं। इस पर रिजर्व बैंक ब्याज देता है। इसकी दर अभी 3.35 फीसदी है। रेपो रेट उसे कहते हैं जिस दर पर आरबीआई से बैंक कर्ज लेते हैं।

आईटीडीसी
Classifieds
वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

नए भोपाल में स्थित सभी प्रकार की रेसीडेंशियल/कमर्शियल/इंडस्ट्रियल प्रोपटी/ वेयर हॉउस खरीदने-बेचने व रेंटल सर्विस हेतु संपर्क करे:- अनिल प्रोपटीज अरेरा कॉलोनी मो. 9893164317

2 BHK Flat For Sale 800 sqft 1st Floor 24 hrs Water electricity Parking prime location of saket nagar 9A near AllMS hospital price 25 lakh – 70007509

For sale 968/1452/4305 Sqft Plots at Misrod Phase 1-2 3 BHK Flat 1417 Sqft For Sale at Coral Woods Hoshangabad road. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. – 7000122016, 9425666664

शीघ्र बेचना है 2बीएचके पेंटहाउस 110sqft बिल्डअप,1000sqft ओपन टेरेस के साथ कवर्ड केम्पस बावडिया कला के पास, दानिश चोराहा, कीमत 34.96 लाख. संपर्क 9039059071, 9285559071

बंगला बेचना है E-8 बावडियाकला प्राइम लोकेशन नियम महेन्द्रा पेट्रोलपम्प, 1 होल 5 बेडरूम 5 बाथरूम 1000 प्लाट पर, कार्नर, एमपल हाइट्स लगा, 9893128244, 9893847026

बेचना बिला 3BHK प्लाट साईंज 1500 वर्गफीट पर डेम एवं रिवर व्युके साथ कवर्ड केम्पस में कोलार रोड़ बीमाकुंज के पास संपर्क 9754330676, 9111013116

चाहिए 1200 से 1500 स्व्वायर फीट ग्राउंड फ्लोर शाहपुरा, न्यूमार्केट, अरेरा कोलनी, में हार्टथेरोपी सेण्टर हेतु सेव्यं ट्रीटमेंट – 7723911555, 9977310314

For sale 1200/2100/ 2500 Sqft Commerical Plots on 200ft Rode $ 80ft @ BagmugaliNear Aashima mall Hosangabad Rode.Chugh Syndicate Property Pvt.Ltd, 32 Zone-1, MP Nagar – 700012201, 9425666664.

मिनाल रेसीडेंसी (अयोध्या वायपास रोड़/जेकेरोड़े के आस पास की कोलोनी/केम्पस) एबम साकेत/शक्ति /विद्या नगर में प्लाट/मकान खरीदने –बेचना/ रेंटल सेवाए हेतु – प्रापर्टीएको 9826098008

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

For Rent 2bhk fully furnished in Gulmohar Colony Rent 15000/- Contact@8962643902

E-3/258 अरेरा कोलोनी में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK, 1BHK अलग–अलग फेमिली हेतु किराये से देना है संपर्क:- 7000735468, 9425601374(कावलकर)

किराये से -3 BHK फ्लेट Lakeview प्राइम लोकेशन Kohefiza में लिफ्ट, पानी, पार्किंग, किचिन, सर्व सुविधालयुक्त, 8817437959

४BHK platinum Plaza माता मंदिर, Orange 64, 5th फ्लोट, लिफ्ट सुविधा बैंक या शासकीय कर्मचारी की प्राथमिक, संपर्क करे 9893303141

किराये से देना है प्रथम मंजिल पर होल करीब 2500 वर्गफीट सराफा बाजार बेरागढ़ में जिम, कोचिंग हेतु उपुक्त 9303132326, 7374498931

MAHADEV PROPERTY CONSULTANT:WE Require 1200/2100 sqft Commerical and 1000/1200/1500/2100sqft Residential Plot in Danishkunj and 1000/1500/2100sqft Residential Plot in danishhills, 9425008779

१st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

३BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

To-Let 2 BHK semi furnished flat at 5th floor 24 hrs security at mahadev Aparthment opp board office MP nagar 8889996171

ITDC आवश्यकता

Required School Development Manager (Sales) on Fixed & Incentive basis. Location– Guna, Rajgharh, Sehore, Vidisha & Bhopal. Send your Resume @ hr@schoolnovate.com, call or what's app at 8850388123

आवश्यकता 12वी/ ग्रेजुएट लड़के लडकियों भोपाल इंदौर जबलपुर कंप्यूटर ऑपरेटर हिंदी इंग्लिश टाइपिंग, एडमिन पियून, ड्राइवर, गार्ड, गार्डनर टेली कॉलिंग, बैक ऑफिस मार्केटिंग 9171334247 ,9425439035

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC आवश्यकता

आवश्यकता है छोटे परिवार के लिए भोजन बनाने हेतु अनुभवी महिला कुक की. जो घर के सभी कार्य करने में दक्ष हो. वेतन योग्यतानुसार. संपर्क चूना भट्टी, वलमी रोड, भोपाल 9302447796

ऑफिस कार्य हेतु एजुकेटेड युवती की आवश्यकता है , वेतन 10 से 15000/- संपर्क समय दोपहर 1 से 5 तक, ऑफिस- एम.पी. नगर जोन-1 भोपाल, मो. 9109528142

Required ACCOUNTS ASSISTANT M/F (min exp 2 yrs in Tally) & SITE SUPERVISOR (ITI/diploma in Civil). Send Resume to head.sales@bdspl.com MOB- 9516248569

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क DK3/1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रु पेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN
60
SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

ITDC
VACANCIES

खबर की खबर

कोरोना : डरने, डराने का नहीं, संभलने का वक्त है

कोरोना की तीसरी लहर ने दस्तक दे दी है। कल क्या होगा, किसी को खबर नहीं है लेकिन डर का साया दिन ब दिन अपना आकार बढ़ा रहा है। कोरोना की दूसरी लहर को याद करने के बाद रुह कांप जाती है और तीसरी लहर ने भी ऐसे ही कयामत ढाया तो जिंदगी कल्पना से बाहर होगी। पहली लहर को सभी वर्गों ने हल्के में लिया था और कोरोना को लोग मजाक बता रहे थे। सामान्य खांसी-सर्दी की बीमारी बताकर उसे अनदेखा कर रहे थे लेकिन दूसरी लहर में जब जिंदगी के लाले पड़ने लगे तो समझ में आया कि सौ साल बाद महामारी किस कदर कहर ढाती है। हममें से अधिकांश को पता ही नहीं है कि सौ साल पहले आयी महामारी का प्रकोप कितना और कैसा था लेकिन जब हम खुद इस बार की महामारी का सामना कर रहे हैं तो समझ में आने लगा है कि महामारी होती क्या है?

कोरोना की तीसरी लहर की अभी शुरुआत है और अपने आरंभिक लक्षणों में उसकी भयावहता का अंदाज होने लगा है। इस आहट को भांप कर हम सबको डरने की जरूरत नहीं है और ना ही डराने की जरूरत है बल्कि जरूरत है कि हम सब अपने अपने स्तर पर सावधानी बरतें क्योंकि सावधानी ही इस महामारी का इकलौता इलाज है। लापरवाही या अनदेखी के चलते पहले भी कितने घरों में तकलीफ आयी है और इसका दुहराव ना हो, इस बात की सावधानी हमें बरतनी होगी।

कोरोना की तीसरी लहर को लेकर सोशल मीडिया में जिस तरह की आधी-अधूरी बातें की जा रही है, वह किसी महामारी से कम नहीं है। संभव है कि कोरोना पर लिखने वाले जानकार हों लेकिन इस बात का भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि आपके लिखे शब्दों से समाज में डर पैदा ना हो क्योंकि डर के कारण आपाधापी मचती है और बीमारी से ज्यादा डर बेकाबू हो जाता है।

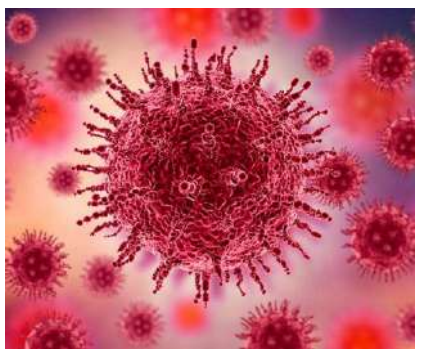

कोशिश होना चाहिए कि संतुलित भाषा में कोरोना से बचाव के लिए लोगों को जागरूक करें। कोरोना के दरम्यान बरतने वाली सावधानी से लोगों को अवगत कराया जाए ताकि स्थिति पहले पायदान पर ही नियंत्रण में हो सके। जो जिस क्षेत्र में है, उस क्षेत्र की मेडिकल सुविधाओं के बारे में बताया जाए ताकि जरूरत पड़ने पर लोगों को भटकना ना पड़े। देखने में यह भी आया है कि वैक्सीन को लेकर भी यह चर्चा की जा रही है कि यह कारगर नहीं है। इस सूचना का कोई तर्क नहीं है और एक कारण लोगों का वैक्सीन नहीं लगाने में यह भी है। कायदे से हम लोगों को प्रेरित करें कि अविलंब कोरोना प्रतिरोधक वैक्सीन लगा लें ताकि कोरोना के शिकार होने के बाद भी गंभीर स्थिति से बचा जा सके। अभी डराने या बिना तर्क की बात करने का नहीं है क्योंकि डर से व्यवस्था बाधित होती है और महामारी को फैलने के लिए स्थान मिल जाता है।

कोरोना के आरंभ के साथ मीडिया की भूमिका सकारात्मक रही है और यही कारण है कि बीते दो लहर से व्यवस्था के नियंत्रण में शासकीय तंत्र को सहायता मिली है। कमियों की आलोचना से शासकीय तंत्र सजग हुआ और व्यवस्था दुरुस्त की गई।

कोरोना प्रकोप को नियंत्रण में देखकर सरकार ने जीवन को सहज बनाने के लिए अनेक फैसले लिये हैं जिसमें शैक्षणिक संस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित किये जाने के आदेश हैं। कोरोना की पहली और दूसरी लहर के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में ऑनलाइन शिक्षा की चर्चा की गई है। अभी समाज मुसीबत से दूर नहीं हुआ है और जरूरी है कि ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था को बनाये रखें ताकि शिक्षण संस्थाओं में एकत्र होने वाली भीड़ से कोरोना वायरस फैलने से रोका जा सके। यूं भी टेक्नालॉजी का जिस तरह से विस्तार हो रहा है और आने वाला भविष्य टेक्नालाजी फ्रेंडली होना है तब ऑनलाइन शिक्षा और वर्क फ्रॉम होम को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इन विकल्प से ना केवल हम कोरोना के हमले से बच सकते हैं बल्कि पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के साथ ही संस्थागत व्यय पर भी नियंत्रण हो जाता है। यह किया जाना आज के लिए ही नहीं, भविष्य के लिए भी जरूरी हो जाता है। शादी-ब्याह, सभा-संगत और मॉल-टॉकीज शुरू करने की जो छूट दी गई है, उस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से भारतीय जीवनशैली का पाश्चात्य जीवनशैली से कोई मेल नहीं है लेकिन कोरोना के चलते एक बार विचार किया जाना जरूरी हो जाता है।

यह सूचना राहत देती है कि कोरोना की आहट के पहले ही चिकित्सा व्यवस्था चाक-चौबंद कर ली गई है लेकिन इसकी वास्तविकता को जांचना भी जरूरी है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इस मामले में गंभीर हैं और कलेक्टरों को आदेश देकर यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि अपने अपने जिलों में ऑक्सीजन प्लांट की स्थिति का निरीक्षण-परीक्षण करें और उसे चालू करें। आग लगने पर कुआं खोदने से अच्छा है कि कुआं पहले तैयार रखें ताकि वक्त-बे-वक्त काम आ सके। मेडिकल सहित संबद्ध सेवाओं को आपातकालीन घोषित करना भी समय की जरूरत है। ऐसा किये जाने से विपत्ति का समाधान मौजूद होगा। सरकार के इन प्रयासों को मूर्त रूप देने के लिए समाज को भी आगे आना होगा। अफवाहों से दूर रहकर वैक्सीन लगवा लें। अनावश्यक यात्रा या बाजार जाने से बचें। मास्क और सेनिटाइजर का उपयोग जीवनशैली में शामिल कर लें। मास्क ना केवल कोरोना से बचाती है बल्कि प्रदूषण से भी आपके शरीर को बचाती है। दिल्ली का हाल किसी से छिपा नहीं है। झीलों की नगरी भोपाल अपनी ताजगी के साथ अपनी पहचान कायम रखे, इसके लिए जरूरी है कि हम सब मिलकर कोरोना का मुकाबला करें। सजग रहें, स्वस्थ्य रहें क्योंकि जीवन हमारा अपना है।

न्यूज ब्रीफ

सर्वेक्षण में स्त्रियों की संख्या पुरुषों से ज्यादा होने पर सवाल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएसएच) 2019-21 द्वारा 24 नवंबर को जारी आंकड़ों में देश में प्रति 1,000 पुरुषों पर 1,020 महिलाएं होने का अनुमान जताया गया है। मगर जनसंख्या विज्ञानियों का कहना है कि यह अनुमान वास्तविकता से अधिक है और जमीनी स्तर पर असली आंकड़ों को नहीं दर्शाता। स्वास्थ्य मंत्रालय का स्वायत्त संस्थान अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान (आईआईपीएस) यह सर्वेक्षण करता है। इस संस्थान ने बिज़नेस स्टैंडर्ड से कहा कि किसी भी सर्वेक्षण में स्त्री-पुरुष अनुपात का अनुमान वास्तविक आंकड़ों से अधिक ही रहेगा क्योंकि ये आंकड़े परिवार के स्तर पर एकत्र किए जाते हैं। आईआईपीएस के निदेशक और वरिष्ठ प्रोफेसर केएस जेम्स ने कहा, सर्वेक्षण में पुरुषों के प्रभुत्व वाले कई क्षेत्रों जैसे संस्थानों, बेघरों, सेना, छात्रावास आदि को शामिल ही नहीं किया जाता। इस आबादी को सर्वेक्षण के नतीजो में जगह नहीं दी जाती। वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक भारत में प्रति 1,000 पुरुषों पर 943 महिलाएं था। इस जनगणना में अनुमान जताया गया था कि यह 2036 में आंकड़ा बढ़कर 952 हो जाएगा। 2015-16 में स्त्री-पुरुष अनुपात 991 था, जो इस बार 29 अंक बढ़कर 1020 हो गया। विशेषज्ञों ने कहा कि एनएफएचएस के पिछले दौर में कुल स्त्री-पुरुष अनुपात में भिन्नता नजर आई है। पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने कहा, यह अप्रत्याशित रुझान है, जिसके लिए और सबूतों और स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। कुछ विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि यह विषय सुर्खियों में इसलिए बना हुआ है क्योंकि ताजा सर्वेक्षण ने दर्शाया है कि महिलाओं की संख्या पुरुषों से आगे निकल गई है। ऑक्सफैम इंडिया के अमिताभ कुंडू ने कहा, %एनएफएचएस 5 को कम से कम अपने फुटनोट में सख्त चेतावनी लिखनी चाहिए कि उसके स्त्री-पुरुष अनुपात के आंकड़े कुल आबादी के लिए वैध नहीं होने के आसार हैं क्योंकि शोधार्थी और नीति-निर्माता उसके प्रकाशनों को प्रतिष्ठित मानते हैं। कुंडू ने कहा कि महिलाओं की संख्या पुरुषों से अधिक होने की तस्वीर का लिंग चयन गर्भपात, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं संपत्ति के अधिकारों में महिलाओं की अनदेखी पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। हालांकि आईआईपीएस ने कहा कि उसके आंकड़ों का अध्ययन सालाना आधार पर स्त्री-पुरुष अनुपात में बढ़ोतरी के संदर्भ में किया जाना चाहिए।

100 रुपए से कीजिए निवेश : आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ने लॉन्च किया मिडकैप 150 इंडेक्स फंड, 17 दिसंबर को होगा बंद

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने मिडकैप 150 इंडेक्स फंड लॉन्च किया है। यह नया फंड ऑफर 17 दिसंबर को बंद होगा। इस फंड में 100 रुपए से निवेश कर सकते हैं।

10 सालों में बेहतर रिटर्न

निफ्टी मिडकैप इंडेक्स ने निफ्टी 50 TRI (टोटल रिटर्न इंडेक्स) और निफ्टी स्मालकैप 250 TRI की तुलना में पिछले 10 सालों में ज्यादा रिटर्न दिया है। इस बारे में कंपनी के प्रोडक्ट हेड चिंतन हरिया ने कहा कि आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मिडकैप 150 इंडेक्स फंड निवेशकों को मिड कैप सेगमेंट में निवेश का मौका देगा। यह स्कीम अच्छी तरह से विविधीकृत निफ्टी मिडकैप

इंडेक्स में निवेश करेगी। इस फंड में निवेश के जरिए निवेशक उन मिडकैप में निवेश कर सकता है जो आगे चलकर संभावित रूप से लार्ज कैप बन सकते हैं।

टॉप 10 सेक्टर को शामिल किया गया

इसके टॉप 10 सेक्टर में फाइनेंशियल सर्विसेस, कंज्यूमर गुड्स, ऑटोमोबाइल, केमिकल, फार्मा और ऑयल एंड गैस के साथ पावर आदि होते हैं। उधर, कोटक महिंद्रा म्यूचुअल फंड ने भारत का पहला निफ्टी अल्फा 50 एक्सचेंज ट्रेडेड फंड लॉन्च किया है। इसे कोटक निफ्टी अल्फा 50 ETF नाम दिया गया है।

निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स को ट्रैक करेगी

यह एक ओपन एंडेड स्कीम है जो निफ्टी अल्फा 50 इंडेक्स को ट्रैक करेगी। इसके जरिए निवेशक अच्छी तरह से विविधीकृत पोर्टफोलियो वाले स्टॉक्स में निवेश कर सकते हैं जहां पर ज्यादा रिटर्न मिलेगा। यह नया फंड ऑफर 15 दिसंबर तक खुला रहेगा। फंड हाउस के मुताबिक, यह फंड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में लिस्टेड ज्यादा रिटर्न वाले 50 शेयर्स में निवेश करेगा। इन शेयर्स का चयन टॉप 300 कंपनियों में से किया जाएगा।

6 महीने के टर्नओवर को देखा जाएगा

कंपनियों के पिछले 6 महीने के टर्नओवर पर उनका निर्भर होगा। कोटक महिंद्रा असेट मैनेजमेंट के एमडी निलेश शाह ने कहा कि निफ्टी अल्फा 50 श्वङ्खस्र को लॉन्च करने का फैसला उस समय लिया गया है, जब बाजार करेक्शन के दौर में है। वैल्यूएशन सस्ता है। श्वङ्खस्र में विविधीकृत वाले शेयर्स कोटक की रणनीति के आधार पर तय किए जाएंगे। इससे निवेशकों को लंबी अवधि में फायदा मिलेगा। यह एक पैसिव फंड है इसलिए इसे निवेश से पहले निवेशकों को समझना जरूरी है।

लेज चिप्स के आलू की किस्म से पेटेंट हटा, अब कोई भी इसे उगा सकेगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत ने पेप्सिको के पॉपुलर लेज चिप्स बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने स्रष्ट5 किस्म के आलू पर से पेटेंट हटा दिया है। इन आलूओं में नमी की मात्रा कम होती है, इसलिए चिप्स बनाने के लिए अच्छा माना जाता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रोटेक्शन ऑफ प्लांट वैराइटीज एंड फार्मर्स राइट्स अथॉरिटी ने शुक्रवार को इसे लेकर आदेश जारी किए।

पेप्सिको ने किसानों के खिलाफ मुकदमा दायर किया था:- 2019 में, पेप्सिको ने गुजरात में कुछ किसानों पर इन आलूओं की खेती करने पर मुकदमा दायर किया था। हालांकि, उसी साल मुकदमों को वापस लेते हुए, न्यूयॉर्क स्थित कंपनी ने कहा कि वह इस मुद्दे को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाना चाहती है।

पेटेंट हटाने के लिए दायर की थी याचिका

बाद में, फार्मर्स राइट्स एक्टिविस्ट कविता कुरुगंती ने पेप्सिको को FCz किस्म के आलू के लिए दिए गए इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट को रद्द करने के लिए PPVFR अथॉरिटी में याचिका दायर की। इसमें उन्होंने कहा कि सरकार के नियम सीड वैराइटी पर पेटेंट की अनुमति नहीं देते हैं।

सीड वैराइटी पर पेटेंट का दावा सही नहीं

PPVFR अथॉरिटी कुरुगंती के इस तर्क से सहमत थी कि पेप्सी एक सीड वैराइटी पर पेटेंट का दावा नहीं कर सकता। अथॉरिटी के चेयरमैन वी प्रभु ने आदेश में कहा कि सर्टिफिकेट ऑफ रजिस्ट्रेशन ... तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाता है।

आदेश का रिव्यू कर रहा पेप्सिको

पेप्सिको इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, हम PPVFR अथॉरिटी के पारित आदेश को रिव्यू करने की प्रोसेस में हैं। पेप्सिको ने कहा कि उसने आलू की FCz किस्म विकसित की है, और 2016 में इसे रजिस्टर करवाया था।

1989 में भारत में अपना पहला प्लांट लगाया था

कंपनी, ने 1989 में भारत में अपना पहला पोटेटो चिप्स प्लांट स्थापित किया था। वह किसानों के एक ग्रुप को FCz सीड की सप्लाई करती है। किसान बदले में कंपनी को फिक्स्ड प्राइस पर अपनी उपज बेचते हैं।

किसानों ने इसे उत्पादकों की जीत बताया

PPVFR अथॉरिटी के फैसले की सराहना करते हुए गुजरात के आलू किसानों ने इसे उत्पादकों की जीत बताया। एक किसान बिपिन पटेल ने कहा, आदेश भारत के किसानों के लिए एक बड़ी जीत है, और किसी भी फसल की खेती करने के उनके अधिकार को बताता है।

31 दिसंबर तक फाइल कर दें इनकम टैक्स रिटर्न, नहीं तो देना पड़ सकता है 10 हजार का जुर्माना

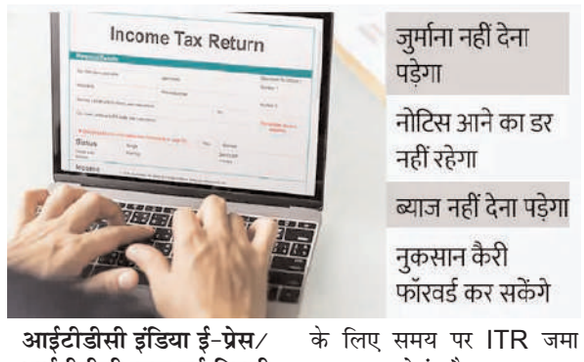

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2020-21 के लिए 31 दिसंबर तक इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना है। टैक्स एक्सपर्ट के मुताबिक, समय रहते ड्डञ्जक्र फाइल करने से न केवल पेनल्टी से बचाव होता है, बल्कि इसके और भी कई फायदे हैं। सीए अभय शर्मा आपको समय पर ITR फाइल करन के फायदे बता रहे हैं।

जुर्माने से बचाव

निर्धारित तारीख के भीतर ड्डञ्जक्र दाखिल नहीं करने पर आपको 10 हजार रुपए तक का भारी जुर्माना चुकाना पड़ सकता है। समय पर ड्डञ्जक्र दाखिल करके इस जुर्माने से बचा जा सकता है।

नोटिस आने का डर नहीं रहेगा: - समय पर ITR दाखिल नहीं करने पर आयकर विभाग से आपको नोटिस मिल सकता है। नोटिस की परेशानियों से बचने के लिए समय पर ITR जमा करना फायदेमंद है।

ब्याज की बचत

आयकर के नियमों के मुताबिक यदि किसी करदाता ने एडवांस टैक्स नहीं चुकाया है या अपनी देनदारी के 90 फीसदी से कम चुकाया है तो उसे सेक्शन 234बी के तहत 1 फीसदी प्रति माह का ब्याज पेनल्टी के रूप में चुकाना होगा। अगर समय पर रिटर्न दाखिल करते हैं तो देय आयकर पर लगने वाले ब्याज की बचत कर सकते हैं। आयकर के नियमों के मुताबिक निर्धारित तारीख से पहले ITR दाखिल करने पर आप अपने नुकसान को आगे के वित्त वर्षों के लिए कैरी फारवर्ड कर सकते हैं। यानी अगले वित्त वर्षों में आप अपनी कमाई पर टैक्स देनदारी कम कर सकते हैं।

फ्यूचर शॉपिंग : उंगलियों के इशारे पर प्रोडक्ट को चारों तरफ घुमा पाएंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

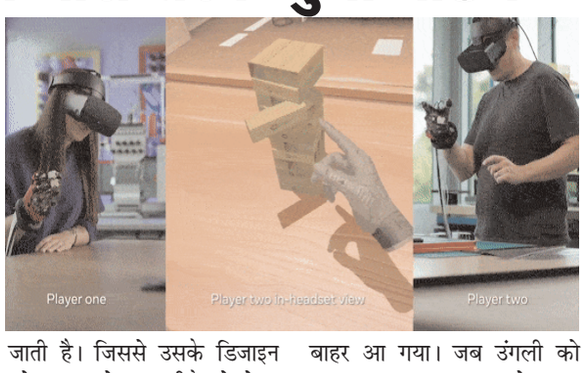

ये बात तो साफ है कि ऑग्मेंटेड रियलिटी के आने से दुनिया बदल जाएगी। ये वही टेक्नोलॉजी है जिस पर मेटावर्स काम कर रही है। इस टेक्नोलॉजी से जुड़े वीडियो भी सामने आने लगे हैं। पहले जहां फेसबुक ने अपनी लैब से एक वीडियो के जरिए मेटा को समझाया था। तो अब बिजनेसमैन हर्ष गोयनका ने भी इस टेक्नोलॉजी से जुड़ा एक वीडियो शेयर किया है। 16 सेकेंड की इस क्लिप से उन्होंने बताया कि कैसे किसी प्रोडक्ट को उंगली के इशारे से देखा और खरीदा जा सकेगा। गोयनका ने जो वीडियो शेयर किया है पहले उसकी बात करते हैं। इस वीडियो में ये लैपटॉप यूजर ऑनलाइन शू खरीद रहा है। लेकिन उसे खरीदने से पहले वो जूते को चारों तरफ से अच्छी तरह देखता है। खास बात ये है कि जूते की 3D इमेज उसके सामने आ जाती है। जिससे उसके डिजाइन को ज्यादा बेहतर तरीके से देखा जा सकता है। सिर्फ हवा में हाथ और उंगलियां हिलाने से ये सब कुछ हो रहा था। ऑग्मेंटेड रियलिटी से जुड़े इस वीडियो में यूजर की उंगलियों में तीन रिंग्स नजर आ रही हैं। इनमें से 2 रिंग एक उंगली में और एक रिंग अंगूठे में पहनी है। इन रिंग्स में कुछ सेंसर लगे हुए हैं। ये रिंग्स स्क्रीन पर मौजूद कंटेंट को ऑपरेट कर रही है। जैसे, स्क्रीन पर दिखने वाले जूते की तरफ जब इशारा किया गया तब वो 3ष्ठ इमेज के साथ बाहर आ गया। जब उंगली को घुमाया गया तब जूता घूमने लगा। उंगली और अंगूठे को पास लाने पर जूता छोटा हो गया। फिंगर घुमाने से जूते का नीचे का हिस्सा दिखाई देने लगा। आखिर में बाय पर क्लिक करके इसे खरीद लिया। मेटा ने 15 दिन पहले एक वीडियो शेयर किया था। उसमें वर्चुअल वर्ल्ड की झलक दिख रही है। इस वीडियो की लंबाई 1 मिनट 13 सेकेंड की थी। वीडियो में दो अलग-अलग लोगों ने हैप्टिक हैंड ग्लव्स का इस्तेमाल किया, जो किसी गैजेट की तरह थे।

वैज्ञानिक सलाह पर बूस्टर खुराक

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बूस्टर खुराक और बच्चों को टीके लगाने का फैसला वैज्ञानिक सलाह के आधार पर लिया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने संसद में आज यह जानकारी दी। मांडविया के इस बयान से एक दिन पहले ही इंडियन सार्सकोव-2 जीनोम सीक्वेंसिंग कंसोर्टियम (इन्साकॉग) ने सुझाव दिया था कि अधिक जोखिम वाले 40 साल से अधिक के लोगों को बूस्टर खुराक दी जानी चाहिए। मांडविया ने ओमीक्रोन के भय से निपटने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने लोक सभा को बताया कि अब तक जोखिम वाले देशों से आने वाले 16,000 यात्रियों की आरटीपीसीआर जांच की गई हैं, जिनमें से 18 कोविड-19 संक्रमित पाए गए हैं। मंत्री ने कहा कि बूस्टर डोज पर फैसला %वैज्ञानिक% या %राजनीतिक% हो सकता है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, हमारे वैज्ञानिक और विशेषज्ञ समूह हमें आगे की राह दिखाएंगे। इन्साकॉग ने अपने साप्ताहिक बुलेटिन में कहा कि 40 साल से अधिक के लोगों के लिए बूस्टर खुराक के बारे में विचार किया जा सकता है, जिसमें पहले सबसे ज्यादा जोखिम वाले और संक्रमण की चपेट में आने की ज्यादा आशंका वाले लोगों को लक्षित किया जाए। इसकी वजह यह है कि मौजूदा टीकों में निष्प्रभावी एंटीबॉडी का स्तर कम है, जो शायद ओमीक्रोन को निष्प्रभावी नहीं बना पाएं। सीएसआईआर-आईजीआईबी के निदेशक और इन्साकॉग के सदस्य अनुराग अग्रवाल ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया कि उनके बुलेटिन में कहा गया है कि अभी तक जिनको टीके नहीं लगे हैं, उनका टीकाकरण किया जाए और अधिक जोखिम वाले समूहों के लिए बूस्टर खुराक के बारे में विचार किया जाए।

न्यूनतम समर्थन मूल्य काफी जटिल और पेचीदा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में कुछ सप्ताह पहले बड़ागांव गांव के सतबीर त्यागी चारपाई पर लेटे हुए थे, जबकि उनके भतीजे नितिन ही सारी बातें कर रहे थे। यह संवाददाता कई मौजूदा मसलों पर उनके भतीजे के साथ बातचीत कर रहा था। जैसे ही बातचीत का रुख कृषि, गन्ना, उर्वरक की कमी और कच्चे माल की बढ़ती लागत की ओर मुड़ा, तो सतबीर भी उत्साहपूर्वक चर्चा में शामिल हो गए। सतबीर ने कहा %पहले चीजें काफी बेहतर थी, जब हमारी उत्पादन लागत इतनी अधिक नहीं बढ़ी थी, जबकि गन्ने जैसी फसल का प्रतिफल ज्यादा अच्छा था। आमदनी बढ़ाने के लिए पिछले कुछ सालों के दौरान गेहूं की खरीद में वृद्धि के दावों पर त्यागी ने दावा किया कि कई खरीद केंद्रों के संबंध में आंकड़े कुछ भ्रामक हैं, व्यापारियों ने सहकारी समितियों के अधिकारियों के साथ मिलकर मशीनरी का खेल खेला, जबकि किसान को शायद ही कभी लाभ मिला। तीन विवादास्पद कृषि अधिनियमों को निरस्त करने के निर्णय के साथ एक साल पूरा करने वाले भारत में किसानों के सबसे लंबे और सबसे मुखर विरोध प्रदर्शनों में शामिल इस प्रदर्शन को सतबीर जैसे लोगों का मौन समर्थन प्राप्त है और पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर यह इसका चुनावी असर है जिसने केंद्र को यह कदम उठाने के लिए विवश किया होगा। पंजाब में इन अधिनियमों के खिलाफ छिटपुट विरोध के रूप में शुरू होने वाला यह आंदोलन धीरे-धीरे मजबूत हुआ और देश के अन्य हिस्सों में फैल गया, खास तौर पर पड़ोस के हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में। आंदोलन कर रहे किसानों की प्रमुख मांगों में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानूनी गारंटी भी शामिल है। विरोध उस समय चरम पर पहुंच गया, जब पंजाब और अन्य जगहों के हजारों किसानों ने पिछले साल के अंत में दिल्ली की ओर कूच किया और प्रवेश से वंचित किए जाने के बाद मुख्य प्रवेश मार्गों को अवरुद्ध करने का फैसला किया। केंद्र ने अपनी तरफ से प्रदर्शनकारियों के साथ 11 दौर की चर्चा की तथा यहां तक ??कि कुछ प्रावधानों में संशोधन करने का भी प्रस्ताव रखा था, हालांकि इस संबंध में ज्यादा सफलता नहीं मिली। अपनी एक प्रमुख मांग पूरी होने के बाद अब किसान सरकार पर एमएसपी देने के लिए दबाव बनाने की दिशा में बढ़ने लगे हैं।

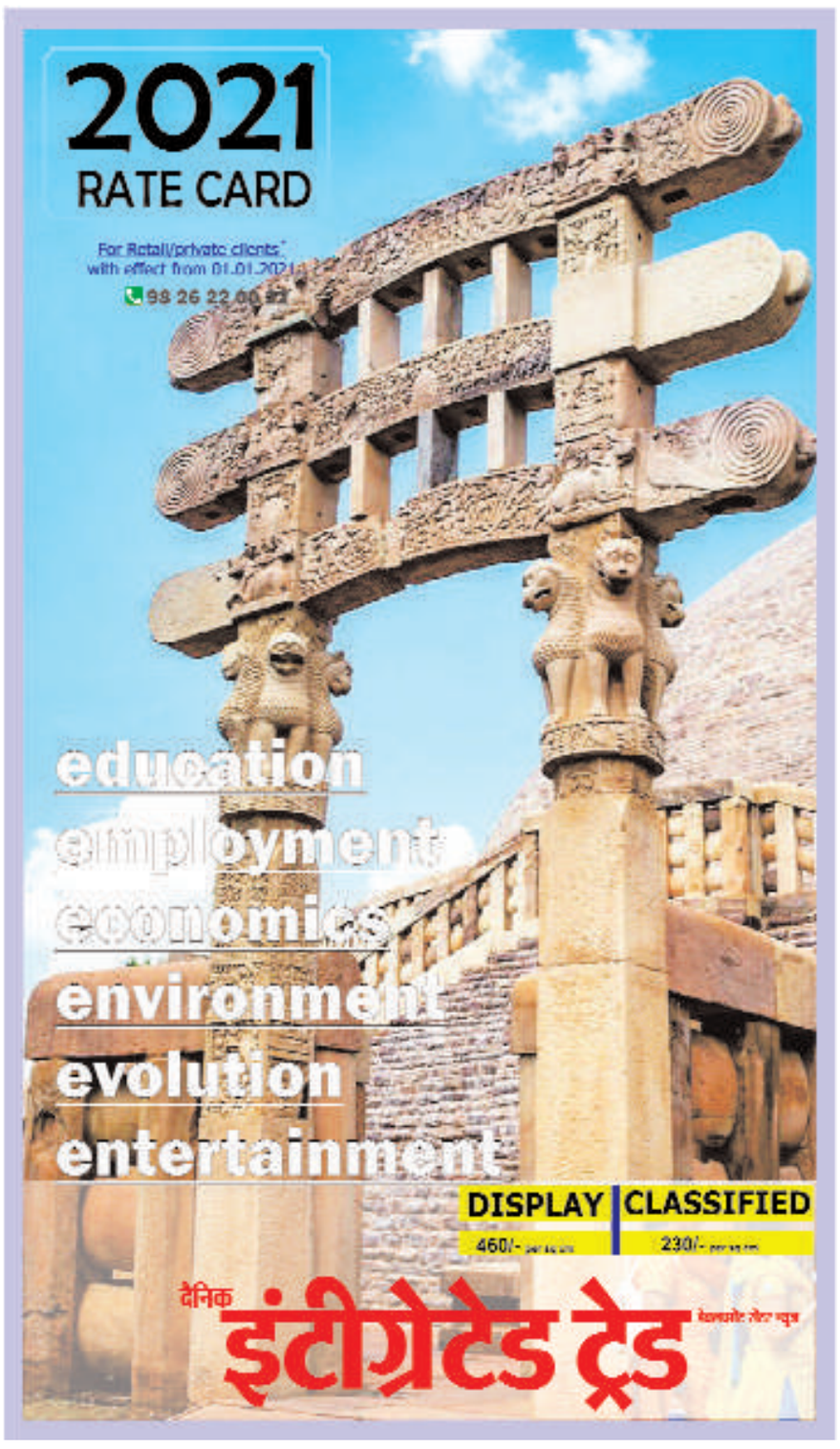

हुड़दंग के आरोप में निलंबित सांसदों का धरना

हुड़दंग के आरोप में निलंबित सांसदों के धरने पर बैठे रहने की जिद के बाद भी राज्यसभा में कामकाज चल निकलना यही बताता है कि ये सांसद एक हारी हुई लड़ाई लड़ रहे हैं। विपक्षी दल इन सांसदों का साथ देकर न केवल अपना नुकसान कर रहे हैं, बल्कि सदन में अपनी बात कहने के अपने अधिकार का खुद ही हनन कर रहे हैं। आखिर जब यह साबित हो चुकी है कि इन सांसदों ने राज्यसभा में हुड़दंग मचाकर संसद की गरिमा को आघात पहुंचाया, तब फिर समझदारी इसी में है कि वे अपनी गलती मानकर आगे बढ़ें। यदि वे माफी मांगने के लिए तैयार नहीं तो कम से कम अपने अशोभनीय आचरण के लिए खेद तो प्रकट ही कर सकते हैं।

निलंबित सांसदों की पैरवी कर रहे विपक्षी दलों को जितनी जल्दी यह समझ आए, उतना ही बेहतर कि वे न केवल संसद की मर्यादा भंग करने वाली शर्मनाक हरकत का बचाव कर रहे हैं, बल्कि यह भी जाहिर कर रहे हैं कि राष्ट्रीय मसलों पर चर्चा में उनकी दिलचस्पी नहीं। वास्तव में यह रवैया एक बड़ी बीमारी का लक्षण है। एक अर्से से विपक्ष ने हर मसले पर सरकार का विरोध करने की ठान रखी है। इसके चलते अब वह सरकार के शासन करने के अधिकार पर ही आघात करने लगा है। कोई भी विधेयक हो, आम तौर पर विपक्ष की यही दलील होती है कि वह उसे स्वीकार नहीं।

ऐसा लगता है कि विपक्ष यह भूल ही गया है कि उसका काम केवल विरोध करना ही नहीं, बल्कि सुझाव देना भी होता है। वह इसके लिए शायद ही कभी कोशिश करता हो कि उसके सुझाव सरकारी फैसलों और विधेयकों का हिस्सा बनें। वह इसी कोशिश में रहता है कि न तो कोई विधेयक पारित हो और न ही सरकार कोई फैसला ले। यह सही है कि संसद चलाना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन आखिर विपक्ष के अड़ियल और असहयोग भरे रवैये के रहते कोई भी सरकार सदन और यहां तक कि शासन कैसे चला सकती है? एक बड़ी समस्या यह भी है कि विपक्ष तर्क के जवाब में कुतर्क पेश करने लगा है। इतना ही नहीं, वह कुतर्क के साथ दुष्प्रचार का भी सहारा लेता है।

कृषि कानूनों के मामले में उसने ठीक यही किया। ऐसा करके उसने देश के 86 प्रतिशत छोटे और मझोले किसानों के हितों की बलि ही ली। इन कानूनों की वापसी विपक्ष की जीत नहीं, उन किसानों की हार है, जिनका वह हितैषी होने का दावा करता है। यह अच्छा हुआ कि राज्यसभा सभापति निलंबित सांसदों को बहाल करने की विपक्ष की बेजा मांग के आगे नहीं झुके। इन सांसदों के व्यवहार की अनदेखी करने का मतलब होगा, संसद में हुड़दंग को बढ़ावा देना।

संपादकीय

शराबबंदी के संकट

- कुमार कृष्णन

शराब पीने से देश-दुनिया में होने वाली मौतों की रिपोर्ट आ गई है। इसके बावजूद लोग पीयेंगे तो गड़बड़ होगा ही। अगर शराब के नाम पर कोई गड़बड़ चीज पिला देगा तो पीने वाले की मौत हो सकती है। इसको लेकर लोगों को सचेत किया जाता है। अधिकतर लोग शराबबंदी के पक्ष में हैं, चंद लोग ही इसके खिलाफ हैं। जो कुछ लोग इधर-उधर का गड़बड़ धंधा करते हैं या कुछ पीना चाहते हैं, इस तरह के चंद लोग ही इसके खिलाफ हैं। उन लोगों से भी अपील की जाती है कि वे ऐसा ना करें, शराबबंदी सबके हित में है। बिहार में पूर्ण शराबबंदी अप्रैल 2016 में लागू कर दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद जहरीली शराब से मौतों का सिलसिला थम नहीं रहा है। सख्ती के बाद भी यह धंधा पूरी तरह बंद नहीं हुआ है। शराबबंदी के बावजूद बिहार में शराब उपलब्ध है। यह बात दीगर है कि लोगों को दो या तीन गुनी कीमत चुकानी पड़ती है, चाहे शराब देशी हो या विदेशी। सरकार के लाख दावों के बाद भी समय-समय पर शराब की जब्ती व शराब के साथ गिरफ्तारियां इसके प्रमाण हैं। सरकारी तंत्र भी इस धंधे में अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है।

वैसे नीतीश कुमार के निर्णय के कारण ही राज्य में पंचायत स्तर तक शराब की दुकानें खुल गई थीं। यही वजह रही कि 2005 से 2015 के बीच बिहार में शराब दुकानों की संख्या दोगुनी हो गई थी। शराबबंदी से पहले बिहार में शराब की करीब छह हजार दुकानें थीं और सरकार को इससे करीब डेढ़ हजार करोड़ रुपये का राजस्व आता था। अप्रैल, 2016 को बिहार देश का ऐसा पांचवां राज्य बन गया जहां शराब के सेवन और जमा करने पर प्रतिबंध लग गया। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) - 2020 की रिपोर्ट के अनुसार ड्राई स्टेट होने के बावजूद बिहार में महाराष्ट्र से ज्यादा लोग शराब पी रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि बिहार में 15.5 प्रतिशत पुरुष शराब का सेवन करते हैं। महाराष्ट्र में शराब प्रतिबंधित नहीं है, लेकिन वहां शराब पीने वाले पुरुषों की तादाद 13.9 फीसदी ही है। अगर शहर और गांव के परिप्रेक्ष्य में देखें तो बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में 15.8 प्रतिशत और शहरी इलाकों में 14 प्रतिशत लोग शराब पीते हैं। बिहार में झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तरप्रदेश एवं नेपाल से शराब की बड़ी खेप तस्करी कर लाई जाती है।

दरअसल शराब व्यापारियों के सिंडिकेट को सरकार तोड़ नहीं पा रही है। आज तक किसी बड़ी मछली को नहीं पकड़ा जा सका है। पकड़े गए अधिकतर लोग या तो शराब पीने वाले हैं या फिर इसे लाने के लिए %कैरियर% का काम करने वाले हैं। जहरीली शराब से हुई मौत का सबसे ताजा मामला बिहार के गोपालगंज का है जहां जहरीली शराब पीने से चार लोगों की मौत हो गई। इस साल अब तक 15 अलग-अलग घटनाओं में जहरीली शराब से करीब 70 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले मुजफ्फरपुर में 27 अक्टूबर की रात को कुछ लोगों ने शराब पी थी, जिसके बाद 8 लोगों की मौत हो गई। मौतों के मामले में यह इस साल राज्य की तीसरी बड़ी वारदात है। इस शराबकांड में अब तक कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जिले में जहरीली शराब से मौत को लेकर जनवरी के बाद से यह तीसरा मामला है। इससे पहले मुजफ्फरपुर के कटरा थाना इलाके में इस साल 17 और 18 फरवरी को जहरीली शराब पीने से पांच लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद मुजफ्फरपुर के मनियार स्थित विशनपुर गिद्दा में 26 फरवरी को फिर जहरीली शराब से दो और ग्रामीणों की मौत हो गई थी।

बिहार में शराबबंदी के बावजूद शराब पीने से हो रही मौतों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कहना है कि 2015 में महिलाओं की मांग पर हमने 2016 में शराबबंदी लागू की। इसको लेकर हम लोगों ने वचन दिया, विधानसभा और विधान परिषद में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित हुआ। सबने शराब नहीं पीने का संकल्प लिया। जितने सरकारी अधिकारी, कर्मचारी हैं सभी लोगों ने इसका संकल्प लिया, इसके लिये निरंतर अभियान चलता रहता है। जो गड़बड़ करते हैं वे पकड़ाते भी हैं। पुलिस-प्रशासन का जो काम है वो हर तरह से अपना काम करते रहते हैं। शराब का अवैध कारोबार करने वालों ने समानांतर अर्थव्यवस्था कायम कर ली है। एक शराब दुकान में काम करने वाले मुलाजिम राजकुमार की बात से इसे समझा जा सकता है। वह कहते हैं, %अब मेरी आर्थिक स्थिति ठीक हो गई है। मैं एक हफ्ते में किसी भी ब्रांड की 50 बोतलें बेचता हूं और एक बोतल पर 300 रुपये की कमाई करता हूं। बिहार में 50 हजार करोड़ की शराब की खपत होती है, बड़े माफिया, पुलिस-पदाधिकारी शराबबंदी के बाद माला-माल हो रहे हैं। शराब का व्यापार खूब फल-फूल रहा है। बिहार के पूर्व पुलिस महानिदेशक अभयानंद कहते हैं, %शराबबंदी की नाकामी में पैसे की बड़ी भूमिका है। चंद लोग बहुत अमीर बन गए हैं। जो लोग पकड़े जा रहे हैं, वे बहुत छोटे लोग हैं। असली धंधेबाज या फिर उन्हें मदद करने वाले ना तो पकड़ में आ रहे और ना ही उन पर किसी की नजर है। जाहिर है, जब तक असली गुनाहगार पकड़े नहीं जाएंगे तब तक राज्य में शराबबंदी कानून की धज्जियां उड़ती ही रहेंगी।

फिर मंदिर की राजनीति पर उतरी भाजपा

उत्तरप्रदेश में अपनी हालत डांवाडोल होती देख भाजपा फिर से पुराने दांव-पेंचों पर उतर आई है। राम मंदिर के मुद्दे को अपनी राजनीति का आधार बनाकर भाजपा ने 2 सीटों से शुरु किए गए सफर को संसद में बहुमत के साथ खत्म किया। एक पारी के बाद दूसरी पारी भी भाजपा के ही हाथ लगी, क्योंकि 2014 से 2019 के बीच देश में सांप्रदायिकता, उग्रराष्ट्रवाद और नफरत की विषबेल पूरी तरह बढ़ चुकी थी। इस विषबेल के सहारे केंद्र के साथ-साथ कई राज्यों की सत्ता हासिल करने में भाजपा को कठिनाई नहीं हुई। 2017 में उत्तरप्रदेश की सत्ता भी भाजपा को मिल ही गई। इसमें राम मंदिर निर्माण का मुद्दा अहम तो था ही, इसके साथ ही श्मशान-कब्रिस्तान जैसे विभाजनकारी बयानों से भी भाजपा को मदद मिली। अब राम मंदिर का निर्माण शुरु हो चुका है, अयोध्या में साल दर साल दीए जलाने के रिकार्ड भी बना लिए गए और अब शायद भाजपा को यह नजर आ रहा है कि अयोध्या के दीए में अब उतना तेल नहीं रह गया, जिससे फिर से सत्ता की जोत जलाई जा सके। इसलिए अब नए सिरे से, नए मंदिरों का मुद्दा खड़ा किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो उत्तराखंड से काशी-मथुरा का जिक्र कर ही दिया था। अब उत्तरप्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक ट्वीट में कहा, अयोध्या, काशी भव्य मंदिर निर्माण जारी है, मथुरा की तैयारी है। जय श्रीराम, जय शिवशम्भू, जय श्री राधेकृष्ण। गौरतलब है कि कुछ दिनों पहले ही हिंदू महासभा समेत कुछ हिंदुवादी संगठनों ने ऐलान किया था कि छह दिसंबर को शाही मस्जिद में जलाभिषेक किया जाएगा। इसके बाद जिले में धार्मिक माहौल गरमाने लगा था, तो प्रशासन अलर्ट हो गया था। डीएम नवनीत चहल ने तत्काल जिले में धारा 144 लागू कर दी, जिससे कि माहौल न बिगड़े और उपद्रवियों पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। लेकिन, अखिल भारत हिंदू महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष राजश्री ने इस कार्यक्रम को स्थगित कर दिया है। उन्होंने बताया कि प्रशासन की ओर से उन्हें अनुमति न मिलने के कारण ऐसा किया गया है। हालांकि पुलिस प्रशासन अब भी चौकन्ना है और बुधवार को खुद एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर ने पैरामिलिट्री के जवानों के साथ फ्लैग मार्च करके लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। अगले दो-तीन दिनों तक करीब 2100 पुलिस और पैरा मिलिट्री फोर्स के जवानों के हाथ में शहर की सुरक्षा की कमान होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो उत्तराखंड से काशी-मथुरा का जिक्र कर ही दिया था। अब उत्तरप्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक ट्वीट में कहा, अयोध्या, काशी भव्य मंदिर निर्माण जारी है, मथुरा की तैयारी है।

इन तैयारियों को देखकर यह आश्वस्ति तो मिल रही है कि माहौल किसी तरह खराब न हो, ऐसी कोशिश पुलिस-प्रशासन की है। लेकिन सत्ता में बैठे लोगों का रवैया यह संकेत दे रहा है कि समाज को भी अपनी ओर से सतर्कता बरतनी चाहिए। एक बार छह दिसंबर का हश्र देश अब तक भुगत रहा है। बाबरी मस्जिद को तोड़ने से केवल अयोध्या की नहीं पूरे देश की पहचान दांव पर लग गई थी। भाजपा को भले रथयात्रा का लाभ मिल गया, लेकिन देश को मंदिर-मस्जिद की राजनीति से नुकसान ही पहुंचा है, यह महंगाई, बेरोजगारी और खाली राजकोष को देखकर समझ जाना चाहिए। राम मंदिर चाहे दुनिया का सबसे खूबसूरत मंदिर बने या ब्रह्मांड की सबसे आकर्षक रचना हो, उससे आम जनता की बुनियादी समस्याएं नहीं सुलझेंगी। आम आदमी का जीवन बेहतर हो, इसके लिए तो सरकार को ही काम करना होगा। यह समझना कठिन नहीं है कि उप्र की भाजपा सरकार ने अपनी जिम्मेदारियों को पांच साल तक पूरा नहीं किया। बेरोजगारी, शिक्षा, विकास के जिन मुद्दों को लेकर भाजपा सत्ता में आई, उनका अब दूर-दूर तक जिक्र नहीं है। पिछली सरकारों के कामों का फीता भाजपा नेता काट रहे हैं या दूसरे राज्यों और देशों की सुहानी तस्वीरों को अपनी बताकर प्रचार कर रहे हैं। चुनाव की दस्तक पड़ते ही करोड़ों की परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास हो रहा है, लेकिन इस सवाल का जवाब भाजपा के पास नहीं है, कि पिछले पांच सालों में इन कामों की शुरुआत क्यों नहीं की, ताकि अब तक जनता को उनका लाभ मिलना शुरु हो जाता। विकास के सवाल पर चारों खाने चित्त भाजपा अब घूम फिर कर सांप्रदायिक एजेंडे पर उतर आई है। केशव प्रसाद मौर्य के ट्वीट को इसी संदर्भ में समझने की जरूरत है। हालांकि श्री मौर्य का कहना है कि भाजपा के लिए चुनाव के एजेंडे में कोई मंदिर का विषय मुद्दा नहीं रहा है, मंदिर आस्था का मुद्दा है चुनाव का नहीं। जो लोग राम मंदिर बनने का विरोध करते थे अब वही लोग राम मंदिर में माथा टेक रहे हैं। आगामी दिनों में यही दृश्य काशी और मथुरा में दिखेगा। मान लिया कि मंदिर भाजपा के लिए आस्था का ही मुद्दा है, चुनाव का नहीं, तो फिर चुनाव के वक्तक ही केशव प्रसाद मौर्य ने मथुरा का जिक्र क्यों किया। अगर मंदिर केवल आस्था का मुद्दा है, तो फिर अब तक भाजपा के घोषणापत्र में राम मंदिर निर्माण का मुद्दा क्यों जगह पाता था। अब भी अपनी चुनावी सभाओं में भाजपा नेता इस बात का श्रेय क्यों लेते हैं कि मोदीजी के राज में मंदिर निर्माण शुरु हुआ। आस्था तो कभी भी प्रदर्शन का विषय नहीं रही, फिर सरकारी खर्च पर राष्ट्रपति से लेकर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री सभी अपनी आस्था को जनता के बीच क्यों प्रदर्शित करते रहे। मंदिर जाकर चुपचाप पूजा कर लेते, दीए जला लेते और चुनावी सभाओं में केवल जनता के विकास से जुड़े मुद्दों पर बात करते। जाहिर है भाजपा एक बार फिर आस्था को राजनीति का विषय बनाकर चुनावों में उसका फायदा उठाना चाहती है, चाहे इसमें फिर से समाज में विभाजन की खाई और गहरी क्यों न हो जाए। अब यह जनता के विवेक पर ही निर्भर करता है कि अपने धर्म को राजनेताओं के हाथों वह इस्तेमाल होने देगी या फिर उसकी रक्षा करने में सफल होगी।

चिकित्सा उपयोग में बाधक न हो नारकोटिक्स कानून

भारत को वर्षों के परिश्रम से मिले लाभों तथा केरल पैटर्न पर आगे प्रयास करने चाहिए। इसके साथ ही संतुलन के सिद्धांत का सम्मान करने के लिए काम करते हुए नशीली दवाओं के दुरुपयोग को नियंत्रित करने की सरकार की जिम्मेदारी और कष्टदायी दर्द की अनावश्यक पीड़ा को कम करने की उसकी जिम्मेदारी के बीच एक सहानुभूतिपूर्ण संतुलन बनाना चाहिए। तीनों फार्म बिलों की वापसी सुर्ख़ियों में है। अब इस बात के संकेत हैं कि संसद के शीतकालीन सत्र में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम में कथित तौर पर संशोधन पेश किए जा सकते हैं। इससे चिकित्सा पेशे में कार्यरत और वेदना प्रशामक देखभाल विशेषज्ञों के बीच कुछ चिंता है। इस बात की आशंका है कि नशीले पदार्थों को विनियमित करने की कोशिश में संतुलन का सिद्धांत (प्रिंसिपल ऑफ बैलेंस) तीव्र दर्द से पीड़ित रोगियों के हितों के खिलाफ हो सकता है। संतुलन का सिद्धांत नारकोटिक ड्रग्स, 1961 पर संयुक्त राष्ट्र एकल कन्वेंशन में निर्धारित दोहरी जिम्मेदारी को स्वीकार करता है। यह किसी भी सरकार को सौंपी दोहरी जिम्मेदारी- पहली, दवा के अनुचित गैर चिकित्सा उपयोग को रोकने और दूसरी, उसी समय में दर्द के उपचार के लिए दवा की उपलब्धता सुनिश्चित करने की है। मतलब यह है कि उचित नियंत्रण के साथ दवा का सुरक्षित रूप से इस्तेमाल किया जाए और यह कैंसर और अन्य बीमारियों से पीड़ित रोगियों के लिए दर्द दूर करने में मददगार साबित हो। मार्फिन और उस वर्ग (ओपिओइड) से संबंधित अफ़ीम और दवाओं को छोड़कर कोई अन्य दवा नहीं है जो कई प्रकार के दर्द को दूर कर सकती है। यह विशेष रूप से कैंसर के दर्द में लगभग 75 प्रतिशत तक राहत देता है। दशकों के अनुभव से यह भी स्पष्ट है कि दवा पर तर्कहीन नियंत्रण केवल दर्द से राहत के उपयोग पर प्रभावी होता है और गैर-चिकित्सा उपयोग पर इसका बहुत कम प्रभाव पड़ता है।

दर्द से राहत की जरूरत दुनिया भर के स्वास्थ्य पेशेवरों ने महसूस की है और इसे स्पष्ट भी किया गया है लेकिन संयुक्तराज्य अमेरिका ने इस सदी के अंत में इसे मान्यता दी है। उद्योग संचालित अभियान की गलत सलाह पर उत्तरी अमेरिका में पर्याप्त नियंत्रण उपायों के बिना दर्द निवारक दवाओं (ओपिओइड) के बढ़ते दुरुपयोग के परिणामस्वरूप यह निर्णय लिया गया। यह खबर बन गई। तथ्य यह है कि इससे पहले एक चौथाई सदी तक पर्याप्त नियंत्रण और विलेखन के साथ पश्चिमी यूरोपीय देश (ओपिओइड) को गलत हाथों तक पहुंचने से रोकने के साथ इसका प्रभावी ढंग से और सुरक्षित रूप से उपयोग कर रहे थे। इसके गलत उपयोग की ज्यादा रिपोर्ट्स नहीं आई या इस पर जोर नहीं दिया गया था। संयुक्त राज्य अमेरिका में नशे की बढ़ती लत से त्रस्त होकर करीब 50 वर्ष पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने %ड्रग्स के खिलाफ युद्ध% की घोषणा की। दुनिया भर में नशाखोरी के खिलाफ चल रही मुहिम में शामिल होकर भारत ने 1985 के नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम नाम से एक कठोर कानून बनाया जिसने दर्द से राहत के लिए मॉर्फिन की उपलब्धता को प्रभावी ढंग से पंगु बना दिया, लेकिन इस कानून का अनुचित और गैर-चिकित्सा उपयोग पर बहुत कम प्रभाव पड़ा। इस कानून में एक छोटी सी लिपिकीय त्रुटि के लिए भी अनिवार्य और कठोर दंड की व्यवस्था थी। यदि किसी फार्मासिस्ट या डॉक्टर के पास 25 ग्राम से अधिक बेहिसाब मॉर्फिन पाया गया तो न्यायाधीश के पास उसके लिए न्यूनतम दस वर्षों के कठोर कारावास देने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। व्यक्ति को तब तक निर्दोष नहीं समझा जाएगा जब तक वह दोषी साबित नहीं होता। इसके साथ ही खुद को निर्दोष साबित करने की जिम्मेदारी भी आरोपी पर थोपी गई।

उद्योग संचालित अभियान की गलत सलाह पर उत्तरी अमेरिका में पर्याप्त नियंत्रण उपायों के बिना दर्द निवारक दवाओं (ओपिओइड) के बढ़ते दुरुपयोग के परिणामस्वरूप यह निर्णय लिया गया। यह खबर बन गई।

इस कठोर कानून के कारण अस्पतालों और फार्मेसियों ने दवा का स्टॉक करना बंद कर दिया। राज्य औषधि नियंत्रकों ने आवश्यक लाइसेंस जारी करना बंद कर दिया। मेडिकल मॉर्फिन की राष्ट्रीय खपत 1985 में 600 किलोग्राम से अधिक थी जो 1998 में घटकर सिर्फ 17 किलोग्राम हो गई। जाहिर है कि इस उलटे अनुपात के कारण देश में दर्द का बोझ और बढ़ गया। हमारे लिए इसमें सबक होना चाहिए था। केरल ने 1998 में तर्कसंगत नियम लाए जो मुख्यतः सरकार द्वारा समर्थित गैर-सरकारी कार्रवाई से प्रेरित थे। इसकी वजह से केरल में मॉर्फिन और अन्य ओपिओइड देश के बाकी हिस्सों की तुलना में 15 गुना अधिक सुलभ हो गए। राज्य में 170 से अधिक संस्थान सुरक्षित रूप से दवाओं का संग्रहण और दर्द से राहत के लिए इन्हें वितरित करते हैं। तथ्य यह है कि केरल में यह सफलतापूर्वक किया गया। एक और कम आय वाले देश युगांडा में दशकों से यह किया जा रहा है लेकिन इसने विश्व का थोड़ा ध्यान आकर्षित किया है। इसके विपरीत विश्व स्तर पर तथा अब भारत के कुछ हिस्सों में भी दवाओं के दुरुपयोग और %दवा महामारी की बात सुनने में आ रही है। नागरिक समाज व चिकित्सा समुदाय के समर्थकों के ठोस प्रयासों को अंततः सफलता मिली और 2014 में भारतीय संसद ने एक संशोधन अधिनियम पारित किया जिसमें पहली बार दर्द से राहत प्रदान करने की सरकार की जिम्मेदारी को स्वीकार किया गया। संशोधित कानून का कार्यान्वयन अभी अधूरा पड़ा है। फिर भी, यह सही दिशा में एक बड़ा कदम था। दुर्भाग्यवश, हाल के दिनों में गलत आधारों पर डॉक्टरों को जेल में बंद किया जा रहा है और उन पर मुकदमा चलाया जा रहा है। इस कारण वे सरकार द्वारा नियंत्रित दवाएं लिखने या अस्पतालों में उनका उपयोग करने से परहेज करते हैं। कानून को लागू करने वाली एजेंसियों के लिए यह आवश्यक है कि वे वैध उपयोग और अवैध उपयोग के बीच अंतर करें। ओपिओइड के डायवर्जन और दुरुपयोग के मामलों में अभियोजन की आवश्यकता है लेकिन यदि गलत आधार पर गिरफ्तारियां होती हैं तो अस्पताल और डॉक्टर स्वाभाविक रूप से दवाओं का उपयोग करना बंद कर देंगे।

परिवर्तन की प्रतीक्षा में पाठ्यक्रम

शिक्षा किसी भी समाज एवं राष्ट्र की रीढ़ होती है। उसी पर राष्ट्र और उसकी भावी पीढ़ियों का भविष्य निर्भर करता है। शिक्षा ही राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक मूल्यबोध विकसित करने में सक्षम है। उसके माध्यम से ऐसा किया भी जाना चाहिए। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भी दुर्भाग्य से शिक्षातंत्र पर वामपंथी, छद्म पंथनिरपेक्षतावादी एवं मैकाले प्रेरित मानसिकता ही हावी रही है। इतनी कि आज भी उनका विषवमन शैक्षिक-सामाजिक परिवेश को न केवल विषाक्त बनाता है, अपितु विभाजन रेखाओं को और चौड़ा कर जाता है। उन्होंने बड़ी कुशलता एवं कुटिलता से युवा पीढ़ियों को अपनी जड़ों-परंपराओं, जीवन मूल्यों और मान बिंदुओं से पृथक करने का बौद्धिक षड्यंत्र किया है। शिक्षा का अभारतीयकरण ही भारत की अधिकांश समस्याओं का मूल और भारतीयकरण ही एकमात्र निवारण है। अपेक्षा थी कि 2014 में सत्ता-केंद्र बदलने के बाद शिक्षा के भारतीयकरण की दिशा में ठोस एवं निर्णायक पहल और प्रयास किए जाएंगे, परंतु देश के निष्पक्ष शिक्षाविद एवं आम प्रबुद्ध जन भी अब कुछ दबी जुबान से यह स्वीकार करने लगे हैं कि नई शिक्षा नीति के तमाम दावों के बावजूद शिक्षा को संचालित करने वाली प्रमुख संस्थाओं यानी सीबीएसई-एनसीईआरटी-यूजीसी आदि की रीति-नीति, कार्यसंस्कृति में गुणवत्ता, उद्देश्य, पाठ्य-सामग्री, प्रभाव एवं परिणाम के स्तर पर कोई व्यापक बदलाव अब तक नहीं लाया जा सका है। हाल में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा बारह की परीक्षा में समाजशास्त्र विषय में आपत्तिजनक प्रश्न पूछा गया कि 'वर्ष 2002 में गुजरात में बड़े पैमाने पर मुस्लिम विरोधी हिंसा किस सरकार के कार्यकाल में हुई?' उससे यही पुष्टि होती है कि पूर्व की तरह आज भी निहित स्वार्थों एवं वैचारिक दुराग्रहों से बंधे वामपंथी बुद्धिजीवी, अवसरवादी नौकरशाह आदि ही शिक्षा की रीति-नीति एवं दिशा-दशा तय कर रहे हैं। शिक्षा के भारतीयकरण के इससे अधिक गंभीर प्रयास तो 1998 से 2004 के दौरान राजग की गठबंधन सरकार में किए गए। ऐसा नहीं है कि सीबीएसई की यह चूक केवल प्रश्नपत्र के स्तर पर है। उनका दायरा काफी बड़ा है। इसीलिए केवल समाजशास्त्र ही नहीं, अपितु सभी कक्षाओं की सामाजिक विज्ञान, हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास आदि की पाठ्यपुस्तकों में पाठ्यक्रम के स्तर पर व्यापक परिवर्तन आवश्यक हैं। वे नितांत नीरस और भारतीय मानस के प्रतिकूल तथा सामयिक आवश्यकताओं की पूर्ति में असमर्थ हैं।

जानिए आखिर क्यों बच्चे के लिए होती है उसकी मां पहली टीचर

बचपन से आप और हम अपने बड़ों से यह कहावत सुनकर बड़े हुए हैं कि भगवान हर जगह मौजूद नहीं हो सकते इसलिए उन्होंने अपना प्यार सब तक पहुंचाने के लिए मां को बनाया। भारत में मां को भगवान का दर्जा दिया जाता है। मां सिर्फ एक बच्चे को जन्म ही नहीं देती बल्कि एक शिक्षिका की तरह उसे जीवन से जुड़ी हर वो चीज सिखाती है जिसकी मदद से उसके बच्चे के भविष्य की नींव मजबूत बन सके। हर साल 5 सितंबर को देशभर में टीचर्स डे मनाया जाता है। आज इस मौके पर आपको बताते हैं वो 5 बातें जिनसे पता चलता है आखिर कैसे एक बच्चे के लिए मां होती है उसकी पहली टीचर।

धूप में छांव जैसी मां-

प्यार और दुलार के साथ अपने बच्चे को व्यवहारिक ज्ञान देने वाली मां ही होती है। हर मां चाहती है कि उसका बच्चा सदैव सही राह पर चलकर भविष्य में एक अच्छा मुकाम हासिल करें। मां बच्चे के जन्म से लेकर उसके समझदार होने तक चलने-फिरने, खाने-पीने से लेकर बड़ों से व्यवहार करने के सही तरीके सबका उसे पूरा ज्ञान देती है। स्कूलों में बच्चे किताबी ज्ञान हासिल करते हैं जबकि हर मां अपने बच्चे को जीवन का व्यवहारिक ज्ञान देती है।

बिना कहे बच्चे का मन पढ़ लेती है मां-

जन्म से ही हर बच्चे का लगाव अपनी मां से सबसे ज्यादा होता है। बच्चा शुरूआत में पैदा होते ही अपनी हर जरूरत के लिए सिर्फ अपनी मां पर ही निर्भर रहता है। उस समय बच्चे की तकलीफ और उसकी जरूरत एक मां से बेहतर कोई नहीं समझ सकता है। मां, बच्चे को जो भी सिखाती है उसका उसके दिल और दिमाग पर बेहद गहरा असर पड़ता है।

बच्चे को व्यवहारिक ज्ञान देती है मां-

सुबह की आरती से लेकर, रसोई में आपका फेवरेट खाना पकाने तक, कढ़ाई-बुनाई से लेकर बालों में तेल लगाने और रात को लोरी सुनाते हुए दिनभर की अपनी तमाम जिम्मेदारियों को निभाते हुए बातों-बातों में जीवन से जुड़ी कई गूढ़ बातें सिखाने का हुनर सिर्फ मां के पास होता है। बिना किसी क्लासरूम, न हाथों में कोई किताब लिए सिर्फ अपने हाव-भाव से ही वो अपने बच्चों को इतना कुछ सिखा जाती है कि वो बिना किसी प्रयास किए ही बहुत कुछ अपने आप ही सीख जाते हैं। यही वजह है कि मां को पहली टीचर कहा जाता है.

खुद में करें बदलाव-

आपका बच्चा वही करता है जो अपने आसपास होता देखता है। अगर आप अपने बच्चे को अच्छे संस्कार देना चाहती हैं, तो कभी भी उसके सामने लड़ाई-झगड़ा या नकारात्मक बातें न करें। आप अपने बच्चे में जैसे गुण देखना चाहते हैं वो सभी गुण पहले खुद में विकसित करें।

प्यार जरूरी है-

अक्सर देखा जाता है कि बच्चे के किसी चीज को लेकर जिद्द करने पर माता-पिता उसे जोर-जोर से डांटने-फटकारने लगते हैं, ऐसा करने से बच्चे पर उल्टा असर होता है और वो स्वभाव से चिड़चिड़ा हो सकता है। ऐसे में शांत दिमाग से बच्चे को समझाते हुए उसे सही और गलत बताएं।

ना कहना भी जरूरी है-

बच्चे से प्यार करने का ये मतलब कतई नहीं है कि आप उसकी हर जरूरी-गैरजरूरी जिद्द पूरी करें। यदि आप चाहती हैं कि आगे चलकर आपका बच्चा अनुशासित बने, तो बचपन से ही उसकी गलत मांगों को पूरा करना छोड़ दें। बच्चे की हर जिद्द पूरी करके आप उसकी भविष्य बिगाड़ सकते हैं।

बच्चे के गुणों को पहचानें-

हर बच्चा अपने आप में यूनीक होता है. ऐसे में सबसे पहला कर्तव्य माता-पिता का होता है कि वो अपने बच्चे के गुणों को पहचानकर उसे सही दिशा दें। हो सकता है, आपके पड़ोसी का बच्चा पढ़ाई में अव्वल हो लेकिन आपका बच्चा स्पोर्ट्स में. ऐसे में कम मार्क्स लाने पर उसकी तुलना दूसरे बच्चों से करके उसका आत्मविश?वास कमजोर करने की जगह उसे स्पोर्ट्स में मेडल जीतकर लाने पर उसकी प्रशंसा करें।

रिलेशनशिप : क्यों हर अहम डेट भूल जाते हैं लड़के, ये है सीक्रेट

महिलाओं को अक्सर अपने पार्टनर से इस बात की शिकायत रहती है कि उन्हें कोई भी महत्वपूर्ण दिन याद क्यों नहीं रहता। पत्नी का जन्मदिन हो या शादी की सालगिरह का मौका वो अक्सर अपने रूठे पार्टनर को मनाते ही नजर आते हैं।

यदि हम कहे, अगर पुरुष ऐसा करते भी हैं तो उसमें उनका कोई दोष नहीं होता तो शायद आपको सुनकर गुस्सा आ जाए या आप इस लेख को पुरुषवादी समझने की भूल कर बैठें। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। हाल ही में हुआ एक शोध ऐसा ही एक दावा करते हुए महिलाओं के दिमाग को पुरुषों की तुलना में ज्यादा बेहतर बता रहा है।

एक हालिया शोध में यह दावा किया गया है कि महिलाएं खास बातों को याद रखने में पुरुषों की तुलना में बेहतर होती हैं। शोध के अनुसार महिलाओं की एपिसोडिक याददाश्त पुरुषों की तुलना में बेहतर होती है। ऐसे में उन्हें पहले की कही हुई कुछ खास बातें या कोई चीज कहां रखी होगी, ये बेहतर याद रहता है।

एपिसोडिक मेमोरी आत्मकथात्मक घटनाओं को याद करने की क्षमता है जैसे कि पिछले सप्ताह क्या हुआ था या आज सुबह बिल्ली को खिलाया गया था या नहीं। शोध यह भी बताता है कि महिलाएं चेहरे को याद रखने और गंध जैसी संवेदी यादों को याद करने में भी पुरुषों की तुलना में बेहतर होती हैं।

स्वीडन के कारोलिनस्का इंस्टीट्यूट के प्रमुख शोधकर्ता मार्टिन एस्परहोल्म ने कहा, यह अध्ययन को पूर्व के 617 शोध पर आधारित रखा, जो 12 लाख प्रतिभागियों पर किए गए थे। शोधकर्ताओं का कहना है कि याददाश्त कई प्रकार की होती हैं।

फिटनेस गोल्स को पूरा करने के लिए जानें पांच जबरदस्त ऑप्शन, जेब पर भारी नहीं पड़ेंगे ये टिप्स

कई चुनौतियों और समस्याओं के साथ साल 2020 बीत गया लेकिन देखा जाए, तो सही मायनों में 2020 हम सबके के लिए एक सबक छोड़कर भी गया। इस वर्ष वैश्विक महामारी के कारण सभी ने सफाई, इम्युनिटी, अच्छी सेहत, डाइट और कम साधनों में रहना सीखा। ऐसे में हर साल की तरह इस साल भी हम सबने न्यू ईयर की शुरुआत में फिटनेस जर्नी को शुरू करने का प्लान बनाया होगा। फिटनेस की इस मुहिम में आयुर्वेद, योग गुरु, टीचर और जिम ट्रेनर के साथ यूट्यूब चैनल्स, सोशल मीडिया भी किसी न किसी रूप में हमारी मदद कर रहे हैं। आज हम आपको ऐसे ही फिटनेस टिप्स दे रहे हैं, जिससे आप न सिर्फ खुद को हेल्दी और फिट रख सकते हैं बल्कि इससे आपकी इम्युनिटी भी बढ़ेगी।

घर में आपका अपना 'होम जिम'

साल 2021 कोरोना वैक्सीन के रूप में एक बड़ी खुशखबरी लेकर आया लेकिन जब तक पूरे देश को वैक्सीन न लग जाए, जब तक सुरक्षा के नियमों का पालन करना बहुत जरूरी है। ऐसे में आप जिम न जाना चाहें, तो घर में ही होम जिम बना सकते हैं। यहां पर आप अपने नियम के हिसाब से कभी भी वर्कआउट कर सकते हैं।

डांस

कई लोगों को डांस करना काफी पसंद होता है। डांस करने से सिर्फ आपका मूड ही ठीक नहीं होता बल्कि यह एक कार्डियो एक्सरसाइज है। आप घर पर ही भांगड़ा, जुम्बा या कोई भी डांस फॉर्म कर अपने वजन को कम कर सकते हैं। अगर आप भी अपने आप को फिट रखना चाहते हैं और वेट लिफ्टिंग जैसी एक्सरसाइज नहीं करना चाहते, तो डांस क्लासेज अटेंड कर सकते हैं।

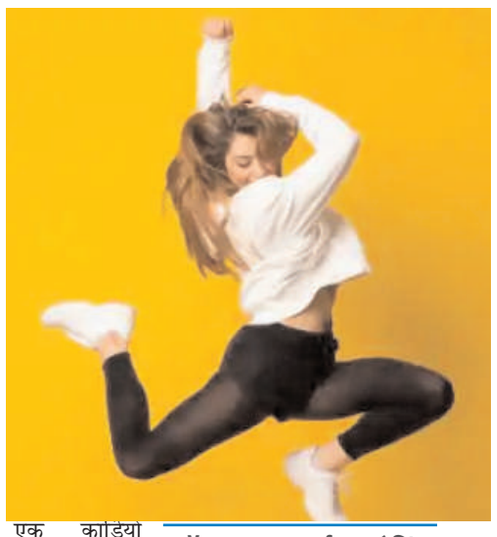

ऑनलाइन या वर्चुअल ट्रेनिंग

आजकल यूट्यूब, फेसबुक व अन्य माध्यमों से लोग अपनी एक्सरसाइज कर सकते हैं। सोशल मीडिया पर कई फिटनेस एक्सपर्ट अपने यूट्यूब चैनल पर फिटनेस को लेकर वीडियो शेयर करते हैं। जैसे भारतीय फिटनेस ट्रेनर्स में गुरु मान फिटनेस, साडी फिटनेस, फिटनेस रॉकर्स जैसे चैनल काफी पॉप्युलर हैं। इन वीडियो में आपको फिटनेस टिप्स के साथ डाइट प्लान्स से जुड़े हुए वीडियो भी देखने को मिलेंगे।

जिम वर्कआउट

जिम खुलने के बाद आप जिम जाकर भी खुद को फिट रख सकते हैं। लेकिन कोविड19 की गाइडलाइंस को जरूर फॉलो करें।जिम फिटनेस पाने की सबसे अच्छी जगह है।

पर्सनल रिमोट कोचिंग

घर पर मोटिवेट रहने का शानदार तरीका अपने ट्रेनर के साथ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर क्लास लेना भी बेहतरीन ऑप्शन है। इसमें आपके ट्रेनर आपको रेगुलर वर्कआउट शेड्यूल और फिटनेस टिप्स देते हैं, जिससे आपके फिटनेस गोल्स को पूरे होने में काफी मदद मिलती है।

बच्चों में टैलेंट ढूंढ़ने के ये हैं पांच बेस्ट तरीके, हर टीचर को पता होने चाहिए

अभिभावक हो या शिक्षक, दोनों का उद्देश्य हमेशा एक ही होता है, बच्चों को सफल बनाना। लेकिन कई बार अपनी इस कोशिश में दोनों ही लोग कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जिसका बुरा असर सीधा बच्चे के कोमल मन पर पड़ने लगता है और वो सफल होने की जगह असफलता की ओर बढ़ने लगते हैं। ऐसे में दोनों को चाहिए कि वो बच्चे के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए उनमें छिपे टैलेंट को ढूंढ़ निकालकर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। आइए जानते हैं कैसे।

बच्चे के इंटरेस्ट पर ज्यादा ध्यान दें सहूलियत पर नहीं-

अगर एक अध्यापक होने के नाते आप इस चीज को अपनी उपलब्धि में गिनते हैं कि आपके बच्चे पाठ पढ़ाते ही उसे रट लेते हैं तो आप गलत हैं। ऐसा करके आप उनका विकास नहीं बल्कि उन्हें किताबी कीड़ा बना रहे हैं। बच्चों को हर विषय बेहद रोचक तरीके से पढ़ाएं न कि अपनी सहूलियत को ध्यान में रखकर। यदि आपको लगता है कि बच्चे के विकास के लिए उसे किसी एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज में डालना जरूरी है तो उसके अभिभावकों से इस विषय पर बात करें।

तुलना ना करें-

अक्सर पैरेंट्स और टीचर्स अपने बच्चे की तुलना दूसरे बच्चों से करने लगते हैं। जाने-अनजाने उनकी इस आदत से बच्चे में आत्मविश्वास की कमी होने लगती है। ऐसा भूलकर भी ना करें। हमेशा बच्चे की छोटी से छोटी उपलब्धि पर भी उसकी तारीफ करें। आप बच्चे को जितना सपोर्ट करेंगे, उतना ही उसमें आत्मविश्वास और कार्य कुशलता का विकास होगा।

बच्चे की हर एक्टिविटी पर गौर करें-

बच्चे के साथ समय गुजारते समय उसकी हर गतिविधि पर गौर करें। सबसे पहले बच्चे की हॉबी ढूंढ़ने की कोशिश करें। ऐसा करके आप बच्चे की स्ट्रेन्थ जान पाएंगे.

एक्सपेरिमेंट करें-

बच्चों के साथ कई चीजों को लेकर एक्सपेरिमेंट करें उदाहरण के लिए अलग-अलग तरह की किताबें, पजल्स और खिलौनों के बारे में उन्हें बताएं। ऐसे में अगर वो कोई खास विषय सिखने की इच्छा व्यक्त करते हैं तो उनके अभिभावक से बात करें। ऐसा करके आप बच्चे की रुचि किस विषय में है यह जान पाएंगे।

पैरेंट्स भी बच्चे के लिए पहले खुद होमवर्क करें-

बच्चे का विकास सही ढंग से हो इसके लिए काफी बातें सोचनी पड़ती हैं. बच्चे का क्लास में लगनेवाला समय, बच्चे की पढ़ाई और होमवर्क का समय, बच्चे को तरोताज़ा होने के लिए खेलने का समय, सब कुछ कैलकुलेट करें। ताकि अपका बच्चा बिना थके हर काम चुस्ती और इंटरेस्ट के साथ करें।

औषधीय गुणों का खजाना है ये लाल पहाड़ी फूल, दिल का कहा जाता है डॉक्टर, जानें इसके फायदे

उत्तराखंड के पहाड़ों पर खिलने वाला लाल बुरांश का फूल न सिर्फ दिखने में बेहद खूबसूरत लगता है बल्कि सेहत के लिहाज से भी कई मायनों में खास होता है। गर्मियों में लू, खांसी, बुखार जैसी बीमारियों को दूर भगाने के लिए यह दवा जैसा ही काम करता है। बुरांश के फूलों से तैयार जूस व अन्य उत्पादों का सेवन करने से आपके दिल की सेहत बने रहने के साथ शरीर में खून की कमी भी दूर होती है। आइए जानते हैं इस फूल के ऐसे ही कुछ जादुई औषधीय गुण।

दिल की सेहत-

रोडोडेन्ड्रोन प्रजाति के इस पेड़ में सीजनल बुरांश के लाल, सफेद, नीले फूल लगते हैं। लाल फूल औषधिय गुणों से भरपूर हैं। खास कर हृदय रोग से पीड़ित लोग यदि प्रतिदिन एक गिलास बुरांश का जूस पीने से दिल के रोग ठीक होते हैं।

खून की कमी दूर करता है-

शारीरिक विकास या फिर शरीर में खून की कमी को बुरांश का जूस दूर करने का काम करता है।

कोलेस्ट्रॉल ही नहीं ब्लड प्रेशर भी रखता है कंट्रोल-

बुरांश के फूल न सिर्फ हृदय रोगियों के लिए फायदेमंद हैं बल्कि इसका नियमित सेवन करने से हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को भी राहत मिलती है। बुरांश के जूस में पॉली फैटी एसिड की मात्रा अधिक होने की वजह से यह शरीर में जाकर अधिक कोलेस्ट्रॉल नहीं बनने देता। जिसकी वजह से व्यक्ति को हृदय संबंधी बीमारियां होने का खतरा काफी कम हो जाता है।

बदलते मौसम में आपको बनाए रखे सेहतमंद-

इस फूल में मौजूद विटामिन बी कॉम्प्लेक्स की वजह से बदलते मौसम में होने वाली कई बीमारियां जैसे खांसी, बुखार में बुरांश का जूस दवा जैसा काम करता है। बुरांश के जूस का सेवन करने से लीवर संबंधी रोग नहीं होते। इसके अलावा शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

ट्रम्प का ध्यान भटकाने के लिए बेहद खूबसूरत लड़की को मीटिंग में ले गए थे पुतिन, ये ट्रांसलेटर और डांसर थी

पहले मसला समझिए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

2019 में जापान के ओसाका शहर में ज-20 समिट हुई। अमूमन इस तरह की हर मीटिंग के दौरान साइडलाइन्स में कुछ बाइलेट्रल मीटिंग्स भी होती हैं। यानी एक देश का नेता व्यक्तिगत तौर पर किसी दूसरे देश के राष्ट्राध्यक्ष से बातचीत करता है। ये मामला भी कुछ ऐसा ही है। चलिए आगे की कहानी जानते हैं। हुआ यूं कि ओसाका में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और तब के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच मीटिंग शेड्यूल हुई। तय वक्त पर रूसी राष्ट्रपति ट्रम्प से मिलने उनके होटल पहुंचे। उनके साथ कुछ सहयोगी भी थे। इनमें एक चेहरा अनजान, लेकिन बला का खूबसूरत था। ये एक मोहतरमा थीं और इनका नाम था डेरिया बोरक्शया।

'फॉम रशिया विद लव'

स्टेफनी ग्रिशम जुलाई 2019 से अप्रैल 2020 तक व्हाइट हाउस की सेक्रेटरी रहीं। बाद में उन्होंने किताब लिखी- आई विल टेक योर क्वैश्चन्स नाऊ। इसी किताब में एक चैप्टर है- फ्रॉम रशिया विद लव। इसमें स्टेफनी पुतिन और ट्रम्प की मुलाकात और इसमें डेरिया बोरक्शया की मौजूदगी की मौजूदगी को दिलचस्प तरीके से उकेरा है।

स्टेफनी के मुताबिक, जैसे ही ट्रम्प से मीटिंग के लिए पुतिन और उनके साथी कमरे में आए तो मेरे बगल में बैठीं रूसी मामलों पर ट्रम्प की एडवाइजर फियोना हिल ने मेरे कान में कहा- क्या आपने पुतिन की ट्रांसलेटर को देखा। ये तो गजब की खूबसूरत है। लंबे बाल, खूबसूरत चेहरा और शानदार फिगर। मुझे शक है कि इसे हमारे प्रेसिडेंट का ध्यान भंग करने के लिए यहां लाया गया है।

मौजूदा वैक्सीन्स का असर होगा या नहीं... यह पता चलने में अभी हफ्तों का समय लग सकता है

ओमिक्रॉन की अब तक 38 देशों में दस्तक, WHO ने बताया- इससे अभी एक भी मौत दर्ज नहीं हुई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

कोरोना वायरस का ओमिक्रॉन वैरिएंट 38 देशों में दस्तक दे चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने बताया है कि अभी तक इसके संक्रमण से किसी की मौत नहीं हुई है। WHO ने कहा कि ओमिक्रॉन कितना ज्यादा संक्रामक है और यह कितना गंभीर रूप से बीमार करता है और इस पर मौजूदा वैक्सीन्स का असर होगा या नहीं... यह पता चलने में अभी हफ्तों का समय लग सकता है।

कनाडा में ओमिक्रॉन के 15 केस मिले

कनाडा में ओमिक्रॉन वैरिएंट से संक्रमित 15 लोग मिले हैं। कनाडा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि देश में फिर से संक्रमण बढ़ सकता है। ऐसे में वैक्सीनेशन कैंपेन में और अधिक तेजी लाने की जरूरत है। साथ ही 50 साल से ज्यादा उम्र वालों को बूस्टर डोज लगवाने की सलाह दी गई है। कनाडा सरकार ने दूसरे देशों से आने वाले यात्रियों का एयरपोर्ट पर कोरोना टेस्ट कराना जरूरी कर दिया है। साथ ही दक्षिण अफ्रीका समेत 10 अफ्रीकी देशों से आवाजाही पर रोक लगा दी है।

दक्षिण अफ्रीका में बच्चों में तेजी से बढ़ रहा कोरोना संक्रमण

दक्षिण अफ्रीका में बच्चों में कोविड-19 का संक्रमण काफी तेजी से बढ़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बताया गया कि कोरोना की तीसरी लहर के दौरान यह चिंता की बात है। 5 साल से कम उम्र के ज्यादातर बच्चे कोरोना से संक्रमित हो रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका में 60 साल से ज्यादा उम्र के लोग सबसे अधिक संक्रमित हैं। इसके बाद सबसे ज्यादा संक्रमितों की संख्या 5 साल से कम उम्र के बच्चों की है। पहली और दूसरी लहर के दौरान ऐसा नहीं देखा गया था।

दिखानी होगी 24 घंटे पुरानी कोरोना निगेटिव रिपोर्ट

कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट को देखते हुए अमेरिका में सोमवार से नए नियम लागू किए जा रहे हैं। अब स आने वाले इंटरनेशनल ट्रैवलर्स को यात्रा के 24 घंटे पहले अपना कोरोना टेस्ट कराना होगा। हालांकि, वैक्सीन के दोनों डोज लगवा चुके लोगों को थोड़ी छूट दी गई है। वे यात्रा से तीन दिन पहले कराए कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट भी दिखा सकते हैं।

गुरुग्राम में सर्दी के मौसम में धुंध की मोटी परत के कारण दृश्यता कम है।

यूएस इंटेलीजेंस का बड़ा खुलासा:2022 की शुरुआत में यूक्रेन पर हमला कर सकता है रूस, अगले हफ्ते बाइडेन- पुतिन की वर्चुअल मीटिंग

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

रूस-यूक्रेन बॉर्डर पर तनाव जारी है। इस बीच अमेरिकी इंटेलीजेंस ने खुलासा किया है कि रूस यूक्रेन पर साल 2022 की शुरुआत में हमला कर सकता है। इस हमले में रूस के 175,000 सैनिकों के शामिल होने का आशंका है। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, आधे रूसी सैनिक पहले से ही यूक्रेन बॉर्डर पर तैनात किए जा चुके है। वहीं, शुक्रवार को यूक्रेन के रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव ने सांसदों को बताया कि रूस ने बॉर्डर पर फिलहाल 94,300 सैनिक तैनात कर रखे हैं और अगले साल जनवरी में सैनिकों की संख्या में बड़ा इजाफा हो सकता है।

अगले हफ्ते बात करेंगे पुतिन- बाइडेन

राष्ट्रपति पुतिन अगले हफ्ते एक वर्चुअल मीटिंग के जरिए अमेरिकी राष्ट्रपति से बात करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच यूक्रेन मुद्दे पर बातचीत होने की संभावना है। हालांकि मीटिंग की तारीख का खुलासा नहीं किया गया है।

बॉर्डर पर ड्रोन की तैनाती का विरोध

अमेरिकी इंटेलीजेंस की तरफ से पहले भी 2 बार हमले की आशंका जाहिर की जा चुकी है। वहीं, रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने शुक्रवार को तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन के साथ एक फोन मीटिंग के दौरान यूक्रेन की तरफ से हो रहे ड्रोन तैनाती को निशाने पर लिया। दरअसल यह ड्रोन तुर्की ने ही मैन्यूफैक्चर किए हैं। यूक्रेन बॉर्डर की तरफ रूसी टैंक की तैनाती को देखते हुए अमेरिकी इंटेलीजेंस ने अलर्ट जारी किया था। इसे देखते हुए राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा था कि वह व्लादिमीर पुतिन के लिए यूक्रेन पर हमले को बहुत मुश्किल बना देंगे, उनका उद्देश्य रूस के इस हमले को रोकना है। बाइडेन ने कहा कि यूक्रेन बॉर्डर पर स्थिति को देखते हुए वह यूरोपीय देशों के संपर्क में है। पिछले हफ्ते रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने एक इंटरव्यू में इस बात से साफ इनकार किया था कि रूसी फौज यूक्रेन पर कब्जे के लिए रणनीति बना रही है। उन्होंने कहा था कि रूसी सैनिक अपनी सीमा के अंदर कहीं भी नहीं किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

विशेषज्ञों का दावा:आप चाहते हैं कि बच्चे करेला और बैंगन शौक से खाएं तो उनके सामने मुस्कुराते हुए सब्जियां खाइए

वाशिंगटन। अगर आप चाहते हैं कि बच्चे करेला, बैंगन और लौकी जैसी सब्जियां शौक से खाएं तो आप उनके सामने खाते समय ना-नुकुर न करें। आपके हाव-भाव सकारात्मक होंगे तो बच्चे प्रेरित होंगे और पहले से दोगुनी सब्जियां खाने लगेंगे। यह दावा ब्रिटेन की एस्टन यूनिवर्सिटी की स्टडी में किया गया है। स्टडी के मुताबिक बच्चों पर सब्जियां खाने के लिए दबाव डालने के नतीजे उलटे हो सकते हैं। वे ऐसी सब्जियों से हमेशा के लिए दूरी बना सकते हैं। जबकि दबाव नहीं डालने पर उनकी आदत में सुधार हो सकता है। चार से छह साल के बच्चों पर की गई इस स्टडी में शोधकर्ताओं ने बच्चों को तीन समूहों में बांटा। पहले समूह को ऐसे वीडियो दिखाए गए, जिनमें वयस्क चाव लेकर ब्रोकली जैसी सब्जियां खा रहे थे। दूसरे समूह को तटस्थ भाव के साथ सब्जियां खाते चेहरे दिखाए गए। वहीं, तीसरे समूह को ऐसे वीडियो दिखाए गए, जिनका खाने से कोई संबंध नहीं था। जिन बच्चों ने वयस्कों को रुचि के साथ सब्जी खाते देखा, उन्होंने औसतन 11 ग्राम ब्रोकली जैसी हरी सब्जियां खाईं। जबकि, दूसरे समूह ने महज पांच ग्राम ही सब्जियों का सेवन किया। तीसरे समूह ने खाने में किसी तरह की रुचि नहीं दिखाई। एस्टन यूनिवर्सिटी में वैज्ञानिक और इस स्टडी का नेतृत्व करने वाली केटी एडवर्ड्स बताती हैं- नतीजों से साफ पता चलता है कि आमतौर पर लोगों को जो सब्जियां नापसंद हैं, बच्चों के सामने हम उन्हें अच्छे हाव-भाव के साथ खाते हैं तो वे भी उन सब्जियों को पसंद करने लगते हैं। खुशी के साथ सब्जियां खाने का यह आदर्श तरीका भविष्य में बच्चों को सेहतमंद खानपान के लिए प्रोत्साहन बढ़ाने में मददगार हो सकता है।

इंडियाना यूनिवर्सिटी:मूड डिसऑर्डर जानने के लिए दुनिया का पहला अध्ययन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

मेंटल हैल्थ और मूड डिसऑर्डर की बढ़ती समस्या से अब निजात मिलने के आसार बढ़ गए हैं। अमेरिका की इंडियाना यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक अध्ययन में पाया है कि ब्लड टेस्ट के जरिए मेंटल हैल्थ और डिप्रेशन का कारण और इलाज का पता लगाने में ब्लड टेस्ट कागर साबित हो सकता है। ब्लड टेस्ट में आरएनए मार्कर की पहचान की जाती है। इसके आधार पर नर्व और इम्युन सिस्टम के बारे में पता चलाया जाता है। इससे डिप्रेशन का बेहतर ढंग से उपचार किया जा सकेगा। अध्ययन का नेतृत्व करने वाले डॉ. एलेक्जेंडर निकुलेस्कु का कहना है कि ब्लड टेस्ट से डिप्रेशन और बायापोलर डिसऑर्डर में आसान से अंतर का पता चलाया जा सकेगा। इससे पहले डिप्रेशन के इलाज के लिए डॉक्टरों को दवाओं के कॉबीनेशन पर निर्भर रहना पड़ता था। इस अध्ययन से सामने आया कि डिप्रेशन का जैविक कारण भी होता है। हर व्यक्ति के ब्लड जीन बायोमेकर में में आरएनए, डीएनए और प्रोटीन के अंश होते हैं। ब्लड टेस्ट के जरिए इन्हें डीकोड किया जाता है। शरीर में दिमाग, नर्व सस्टम और इम्युन सिस्टम के विकास का एक समान पैटर्न होता है। अब ब्लड टेस्ट के जरिए इसको पहचान का डिप्रेशन का इलाज हो सकेगा।

डिप्रेशन होने पर हार्मोन का रिसाव होने पर ब्लड और इम्युन तंत्र को प्रभावित करता है

डॉ. निकुलेस्कु का कहना है कि अध्ययन में सामने आया कि डिप्रेशन और अन्य प्रकार की मानसिक समस्या होने पर शरीर में हार्मोन का रिसाव होता है। ये रिसाव ब्लड और इम्युन सिस्टम को प्रभावित करता है। अध्ययन के दौरान डॉक्टर डिप्रेशन के शिकार व्यक्ति के ब्लड में मौजूद बायोमेकर की पहचान करने में सफल रहे। इससे उसे समुचित दवाएं दी गईं। जिससे कि इस प्रकार डिप्रेशन को बेहतर ढंग से चिन्हित किया जा सका। अन्य डॉक्टरों का कहना है कि अध्ययन आने वाले समय में बहुत सहायक साबित होगा।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल गांधीनगर के कर्णावती विश्वविद्यालय में युवा संसद 2021 के उद्घाटन समारोह के दौरान पूज्य ज्ञानवत्सल स्वामी के साथ बातचीत करते हुए।

नई दिल्ली में जहांगीरपुरी डंपयार्ड का दृश्य।

अश्वेत कैदियों से भेदभाव-अमेरिका में 37 साल से जेल में बंद है 'बेगुनाह' कैदी

बोर्ड में कहा- हत्या नहीं की, फिर भी सजा भुगत रहा हूं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

अमेरिका में सैकड़ों कैदी ऐसे हैं, जो सजा पूरी होने के बावजूद जेलों में हैं। कुछ कैदी तो ऐसे हैं, जिनका दावा है कि बेगुनाह हैं। ऐसे ही एक कैदी हैं 78 साल के जोसेफ गोर्डन। वह 37 साल से जेल में हैं। जबकि हत्या के जिस मामले में उन्हें सजा मिली है, कानूनन 25 साल के बाद उन्हें पैरोल का हक है। न्यूयॉर्क में करेक्शनल फैसिलिटी होम में कैद गोर्डन को 2017 से पांच बार पैरोल पर छोड़ने की सिफारिश की जा चुकी है, लेकिन पैरोल हर बार सिर्फ इसलिए खारिज कर दी गई कि उन्होंने अपराध कबूल नहीं किया है। न ही पश्चाताप व्यक्त किया। गोर्डन कहते हैं कि उन्हें जिस डॉक्टर की हत्या के मामले में सजा दी गई है, उसकी हत्या उन्होंने नहीं की। बल्कि यह हत्या उनके बेटे चाड ने की थी। गोर्डन को 1991 में वेस्टचेस्टर काउंटी के एक श्वेत डॉक्टर डैनिएल पैक की हत्या का दोषी ठहराया गया था।

इन्नोसेंस प्रोजेक्ट ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि कई निर्दोष कैदी अपनी बात पर अड़े रहते हैं, जिससे उनके पैरोल में कानूनी रुकावट आती है।

क्यों खारिज हो रही पैरोल

गोर्डन ने इस साल मार्च को पांचवीं बार न्यूयॉर्क स्टेट पैरोल बोर्ड में पैरोल अपील की थी। सुधार अधिकारियों, जेल कर्मचारियों और मनोरोग कार्यकर्ता ने गोर्डन को रिहा करने की सिफारिश की। उन्होंने लिखा कि गोर्डन ने मानसिक रूप से बीमार कई कैदियों का जीवन बदला है। जेल अधीक्षक लेरॉय फील्ड्स ने लिखा कि गोर्डन केवल दूसरे कैदी हैं, जिनकी रिहाई की सिफारिश उन्होंने बतौर सुधार अधिकारी के रूप में की है।

ये है गोर्डन के कथित अपराध की कहानी

पैरोल बोर्ड के सामने जोसेफ गोर्डन ने खुलासा किया कि हत्या उनके बेटे चाड ने की थी। तब चाड 16 साल का था और वे नहीं चाहते थे कि उसे जेल हो। गोर्डन के अनुसार, चाड ने आवेश में डॉक्टर को गोली मारी थी, क्योंकि उसने यौन संबंध बनाने की कोशिश की थी। वहीं कोर्ट में सुनवाई के दौरान चाड ने खुद को बेगुनाह बताया था।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान सुपर लीग का शेड्यूल जारी, 27 जनवरी से शुरू होगा टूर्नामेंट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की तारीखों का ऐलान हो गया है। गत चैंपियन मुल्तान सुल्तान 27 जनवरी को पीएसएल 2022 के उद्घाटन मैच में मेजबान और 2020 के विजेता कराची किंग्स से भिड़ेंगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पीएसएल के सातवें संस्करण के कार्यक्रम की घोषणा की। 2019 चैंपियन क्वेटा ग्लैडिएटर्स शुक्रवार को पहले दिन 2017 के विजेता पेशावर जाल्मी से भिड़ेंगे। इस 32-दिवसीय और 34 मैचों के टूर्नामेंट में खेले जाने वाले 6 डबल-हेडर मुकाबले होंगे। इसमें पहला मैच मुल्तान सुल्तांस 2020 के उपविजेता लाहौर कलंदर्स से भिड़ेंगे, जिसके बाद कराची किंग्स और क्वेटा ग्लैडिएटर्स भिड़ेगी। दो बार की चैम्पियन इस्लामाबाद जब पेशावर जाल्मी से भिड़ेगी तो शाम का मैच चिर प्रतिद्वंद्वी कराची किंग्स और लाहौर कलंदर्स के बीच होगा। कराची के बाद गद्दाफी स्टेडियम 27 जनवरी से 7 फरवरी तक 15 मैचों की मेजबानी करेगा। यहां शेष 15 लीग मैच और चार प्लेऑफ मुकाबले 10 से 27 फरवरी तक खेले जाएंगे। पीसीबी ने फैसला किया है कि पीएसएल ड्राफ्ट 2022 12 दिसंबर को लाहौर के हाई-परफॉर्मेंस सेंटर में आयोजित किया जाएगा।

भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे को लेकर सामने आई बड़ी जानकारी, रोहित हो सकते हैं टेस्ट उप-कप्तान

नईदिल्ली। भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। बीसीसीआई दौरे को रद्द नहीं करने वाला है। हालांकि दौरे के समय में बदलाव किया जाएगा और दौरा 9 दिन देरी से होगा। वहीं भारत के नए टी20 इंटरनेशनल कप्तान रोहित शर्मा को दक्षिण अफ्रीका के महत्वपूर्ण दौरे के लिए भारत का नया टेस्ट उप कप्तान बनाया जा सकता है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रोहित को टीम में उच्च जगह मिलेगी जिसका मतलब है कि अब से नेतृत्व समूह में उनका बड़ा दबदबा होगा। अजिंक्य रहाणे की खराब फॉर्म के बाद यह कदम उठाया गया है। इस बीच टी20ड्ड कप्तान के पद पर पदोन्नत होने के बाद रोहित पहले से ही थिंक टैंक में अपनी बात रख रहे थे। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जब न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए टीम चुनी गई थी, तब उन्होंने चयनकर्ताओं को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारत 17 दिसंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के साथ रेनबो नेशन का दौरा करने के लिए तैयार था, लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि बीसीसीआई 9 दिनों की देरी की योजना बना रहा है, इसलिए सीरीज की शुरुआत बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच से होगी।

64वीं राष्ट्रीय रायफल शूटिंग चैम्पियनशिप-2021

मप्र अकादमी के खिलाड़ियों ने जीते 3 स्वर्ण, 3 रजत, 2 कांस्य पदक

- ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने जीते 2 स्वर्ण और 2 रजत, गोल्डी गुर्जर ने जीते 2 स्वर्ण व एक कांस्य
- लोकायुक्त श्री नरेश कुमार गुप्ता जी ने किया पुरस्कार वितरण
- चैंपियनशिप में अकादमी के खिलाड़ियों ने अब तक कुल 21 पदक जीते

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

64वीं राष्ट्रीय रायफल शूटिंग चैम्पियनशिप-2021 के पदक वितरण समारोह में लोकायुक्त श्री नरेश कुमार गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में गौरेगांव स्थित राज्य शूटिंग अकादमी पहूंचे। उन्होंने 50 मीटर, शॉटगन, 25 एवं 10 मीटर शूटिंग रैंज का अवलोकन किया। आज 50 मीटर प्रोन और 10 मीटर मिक्स इवेन्ट के फायनल मुकाबले के विजेता खिलाड़ियों को मान. लोकायुक्त श्री नरेश कुमार गुप्ता ने पदक प्रदान कर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री नरेश कुमार गुप्ता उनकी धर्मपत्नि श्रीमती मनीषा गुप्ता के साथ-साथ भारतीय रायफल संघ के संयुक्त महासचिव श्री पवन कुमार, संचालक खेल और युवा कल्याण श्री रवि कुमार गुप्ता, अकादमी की हाई परफारमेंस कोच सुश्री सूमा शिरूर विशेष रूप से उपस्थित थे। पुरस्कार वितरण के उपरांत लोकायुक्त श्री नरेश कुमार गुप्ता से मध्य प्रदेश राज्य खेल अकादमी के सभी पदक विजेता खिलाड़ियों ने सौजन्य भेंट की। हाई परफारमेंस कोच सुश्री सूमा शिरूर ने मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों की उपब्धि से मान. लोकायुक्त महोदय को अवगत कराया।

विस्तृत परिणाम:- मध्य प्रदेश शूटिंग अकादमी के ओलंपियन ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर गोल्डी तोमर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 64वीं राष्ट्रीय रायफल शूटिंग चैम्पियनशिप-2021 की 50 मीटर रायफल प्रोन वर्ग में दो-दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। मप्र ने 50 मीटर रायफल प्रोन स्पर्धा में 3 स्वर्ण, 3 रजत और 2 कांस्य सहित कुल 8 पदकों पर कब्जा जमाया। इस चैंपियनशिप में मप्र अकादमी के खिलाड़ियों ने अब तक कुल 21 पदक जीत लिए है। खेल और युवा कल्याण मंत्री मान. यशोधरा राजे सिंधिया ने पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है। चैम्पियनशिप का आयोजन खेल और युवा कल्याण विभाग एवं भारतीय राष्ट्रीय रायफल संघ के संयुक्त तत्वावधान में मप्र शूटिंग अकादमी बिसनखेड़ी में 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक किया जा रहा है। इमप्र के ऐश्वर्य ने 50 मीटर रायफल प्रोन जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि पुरूष वर्ग में रजत पदक पर कब्जा जमाया। उन्होंने दूसरा स्वर्ण 50 मीटर रायफल प्रोन पुरूष स्पर्धा में गोल्डी गुर्जर और हर्षित बिंजवा के साथ मिलकर जीता। गोल्डी ने अपना दूसरा स्वर्ण पदक 50 मीटर रायफल प्रोन सिविलियन में जीता। इस स्पर्धा का रजत पदक मप्र के रमन शेखर ने अपने नाम किया।

17 दिसंबर नहीं 26 से होगा पहला टेस्ट

ओमिक्रॉन के चलते टीम इंडिया का द. अफ्रीका दौरा 9 दिन टल सकता है

ओमिक्रॉन के खतरे के बीच टीम इंडिया अभी केवल टेस्ट और वनडे खेलने जाएगी। सेहत की सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती।

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ओमिक्रॉन के खतरे के बावजूद टीम इंडिया का दक्षिण अफ्रीका दौरा टाला नहीं गया है। इंडियन टीम वहां 3 टेस्ट और 3 वनडे खेलने जाएगी। हालांकि टी-20 सीरीज की तारीखें बाद में घोषित की जाएंगी। पहले जारी शेड्यूल के मुताबिक भारत को दक्षिण अफ्रीका में 4 टी-20 मुकाबले खेलने थे। BCCI के सेक्रेटरी जय शाह ने बताया कि अभी इंडियन टीम 3 टेस्ट मैच और 3 वनडे की सीरीज खेलने जाएगी। टी-20 मैचों की सीरीज बाद में होगी। टी-20 सीरीज के लिए अभी तारीखों का ऐलान नहीं किया गया है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने दौरे को कंफर्म कर दिया है। उन्होंने कहा है कि टी-20 सीरीज को रिशिड्यूल किया जाएगा। वहीं, टेस्ट और वनडे को पुराने प्रोगाम के हिसाब से ही रखा जा सकता है।

टी-20 की तारीखें भी तय नहीं

पहले पूरा टूर ही 9 दिन के लिए टालने की खबरें आई थीं

BCCI के एक अधिकारी ने मीडिया को बताया कि इंडिया के दक्षिण अफ्रीका दौरे की तारीखें आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया है। इस बारे में दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड भी एक-दो दिन में पुष्टि कर देगा। 4 मैचों की टी-20 सीरीज के लिए हम अगले साल के अंत में द. अफ्रीका जाने की कोशिश करेंगे। एक अन्य रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत का पूरा टूर ही 9 दिन के लिए टाला जा सकता है।

कोरोना के कारण बिगड़े हालात

दक्षिण अफ्रीका में कोरोना संक्रमण से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। यहां मिला कोरोना का नया वैरिएंट ओमिक्रॉन दुनिया के 24 देशों तक पहुंच चुका है। कई देशों ने अफ्रीकी देशों से आने वाली इंटरनेशनल फ्लाइट्स बैन कर दी हैं।

गांगुली बोले- सरकार की बात मानेंगे, लेकिन अभी दौरा जारी है

BCCI अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा था कि अगर सरकार की ओर से दौरे को लेकर कोई दिशा-निर्देश आता है तो उसका पालन करेंगे। हालांकि अभी तक जो स्थिति है, उसके हिसाब से भारतीय टीम के कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

शुभमन ने दिखा दिया कि हर क्रम पर बल्लेबाजी की तकनीक उसके पास है : तेंदुलकर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा कि शुभमन गिल के पास भारतीय टेस्ट टीम में किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी की तकनीक और तेवर हैं लेकिन उसे अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में बदलना होगा । न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर टेस्ट में 52 रन बनाने वाले गिल मुंबई टेस्ट में भी बड़ी पारी की ओर बढ रहे थे लेकिन बायें हाथ के स्पिनर ऐजाज पटेल ने उन्हें आउट कर दिया। क्या गिल के पास दक्षिण अफ्रीका में मध्यक्रम में अच्छी बल्लेबाजी करने की तकनीक है, यह पूछने पर तेंदुलकर ने पीटीआई से कहा ,' जहां तक तकनीक की बात है तो अलग अलग पिच पर अलग अलग तरह की चुनौतियां होती है । मेरा मानना है कि शुभमन को फायदा है कि उसने ब्रिसबेन में 91 रन की पारी खेली है जहां हमने टेस्ट जीता था ।'' उन्होंने कहा ,'' उसके पास कठोर और उछाल भरी पिचों पर खेलने का अनुभव है । तकनीक को लेकर कोई मसला नहीं है। उसने अच्छी शुरूआत की है लेकिन अब इसे बड़ी पारियों में बदलने का समय आ गया है ।'' तेंदुलकर ने कहा कि गिल को शतक को लेकर बहुत दबाव लेने की जरूरत नहीं है क्योंकि उसके भीतर रनों की भूख है । उन्होंने कहा ,'' टीम में आने के बाद यह बड़े स्कोर बनाने की भूख की बात होती है जो उसके भीतर है । उसे बस अच्छी शुरूआत को बड़ी पारियों में बदलना है और इसके लिये एकाग्रता नहीं खोनी है ।कानपुर और मुंबई दोनों टेस्ट में वह अच्छी गेंद पर आउट हुआ । वह सीखने की प्रक्रिया में है और सीख रहा है ।''

उन्होंने पदार्पण टेस्ट में शतक जमाने वाले श्रेयस अय्यर की तारीफ करते हुए कहा ,'' उसने मौके का पूरा फायदा उठाया । एक समय तक स्कोर अधिक नहीं था जिसके बाद उसने यादगार पारी खेली और भारत को जीत के लगभग करीब पहुंचा दिया । दोनों पारियां अहम थी ।'' उन्होंने कहा ,'' टेस्ट खेलने को लेकर बेचैनी होगी लेकिन वह काफी समय से टी20 क्रिकेट खेल रहा है जिससे दबाव कम हहो गया होगा और वह अपना स्वाभाविक खेल दिखा सका ।''

संयुक्त राज्य अमेरिका और मिस्र खिलाड़ी ओडिशा के भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में एफआईएच ओडिशा हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2021 में अपने 15-16 वें स्थान के प्ले-ऑफ मैच के दौरान गेंद के लिए होड़ करते हैं।

मप्र वाटर स्पोर्ट्स रोइंग अकादमी की दो खिलाड़ियों का एशियन चैंपियनशिप के लिए चयन

खेल और युवा कल्याण मंत्री मान. यशोधरा राजे सिंधिया ने बधाई दी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्यप्रदेश वाटर स्पोर्ट्स रोइंग अकादमी की दो खिलाड़ियों का चयन सीनियर एशियन चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में हुआ है। चैंपियनशिप के लिए भारतीय शिविर का आयोजन ओडिशा के जगतपुर स्थित साई सेंटर में विगत 45 दिनों से जारी था। इस शिविर में मप्र की दोनों खिलाड़ियों ने भागीदारी की और अपने प्रदर्शन से भारतीय टीम में स्थान पक्का किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर खेल और युवा कल्याण मंत्री मान. यशोधरा राजे सिंधिया ने बधाई देते हुए एशियन चैंपियनशिप में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी है।

शूटिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने जीते रजत और कांस्य पदक

मध्यप्रदेश शूटिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 64वीं राष्ट्रीय पिस्टल शूटिंग चैंपियनशिप-2021 में एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किया। दिल्ली में खेली जा रही इस चैंपियनशिप में मप्र शूटिंग अकादमी के खिलाड़ियों ने अब तक एक स्वर्ण सहित कुल छह पदक अपने नाम कर लिए है। चैंपियनशिप का आयोजन नई दिल्ली में 18 नवंबर से 6 दिसंबर तक किया जा रहा है। दिल्ली में खेली जा रही चैपियनशिप में 25 मीटर स्टेंडर्ड पिस्टल जूनियर मेन टीम ने रजत पदक अपने नाम किया। टीम में उदित जोशी, गुरमान सिंह और हरिओम चावड़ा शामिल है। वहीं, 25 मीटर स्टेंडर्ड पिस्टल जूनियर मेन सिविलियन टीम ने कांस्य पदक पर निशाना साधा।

खिलाड़ियों ने किया अभ्यास:-

64वीं राष्ट्रीय रायफल शूटिंग चैम्पियनशिप-2021 में शुक्रवार को खिलाड़ियों ने अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। चैंपियनशिप में शुक्रवार को रेस्ट और अभ्यास सत्र रखा गया था।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

बोइंग एवं एयरबस के साथ विमानों की खरीद एवं पट्टे के लिए बात जारी : जेट एयरवेज

नई दिल्ली। अगले साल फिर से परिचालन शुरू करने की तैयारियों में जुटी जेट एयरवेज ने शुक्रवार को कहा कि विमानों की खरीद के साथ उन्हें पट्टे पर लेने के लिए उसकी एयरबस और बोइंग कंपनियों के साथ बातचीत चल रही है। जेट एयरवेज ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि विमान निर्माता कंपनियों के साथ जारी उसकी बातचीत उसके दोबारा कारोबार शुरू करने की योजना का हिस्सा है। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ ने उसकी पुनरुद्धार योजना पर मुहर लगाई हुई है। कर्ज में फंसी इस एयरलाइन का परिचालन अप्रैल 2019 में बंद हो गया था लेकिन दिवाला प्रक्रिया के तहत मुरारीलाल जालान और कालरॉक कैपिटल के समूह ने उसका अधिग्रहण कर लिया है। अब उसके फिर से परिचालन का रास्ता साफ हो गया है। जेट एयरवेज ने कहा कि एनसीएलटी से मंजूर की गई पुनरुद्धार योजना लागू की जा रही है और उसी के एक हिस्से के तौर पर समूह विमान कंपनियों से बात कर रहा है। एयरलाइन ने कहा, यह बातचीत आगे बढ़ चुकी है। बोइंग के अलावा एयरबस से भी विमानों की खरीद एवं पट्टे को लेकर बात जारी है। उसने संभावित सौदे की कोई कीमत बताने में असमर्थता जताते हुए कहा, कोई तय कीमत नहीं बताई जा सकती है क्योंकि अभी बातचीत चल ही रही है। इसके साथ ही उसने यह साफ किया कि 100 विमानों की खरीद के बारे में आई मीडिया रिपोर्ट अटकलों पर आधारित है।

10 हजार करोड़ के इश्यू : तेगा का आईपीओ अंतिम दिन 219 गुना भरा, आनंद राठी को 300 फीसदी का सब्सक्रिप्शन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

तेगा इंडस्ट्रीज का आईपीओ शुक्रवार को बंद हो गया। इसे 219 गुना का रिस्पांस मिला। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (QIB) ने अपने हिस्से का 215 गुना ज्यादा पैसा लगाया है। आनंद राठी के इश्यू को दूसरे दिन 3 गुना का रिस्पांस मिला है। यह सोमवार को बंद होगा।

10 सालों में QIB का सबसे ज्यादा रिस्पांस

तेगा इंडस्ट्रीज में पिछले 10 सालों में सबसे ज्यादा QIB का रिस्पांस मिला है। इससे पहले एचडीएफसी असेट मैनेजमेंट कंपनी के आईपीओ में QIB ने 192 गुना और इंडिगो पेंट्स में 189 गुना पैसा लगाया था। रिटेल निवेशकों ने अपने हिस्से की तुलना में 29 गुना ज्यादा पैसा लगाया है। तेगा ने 14 एंकर निवेशकों से 186 करोड़ रुपए जुटाए थे। कंपनी 443 से 453 रुपए के भाव पर इश्यू लाया था। इसके इश्यू का साइज 619 करोड़ रुपए था।

मेट्रो ब्रांड का इश्यू 10 दिसंबर से

मेट्रो ब्रांड का इश्यू 10 से 14 दिसंबर तक और रेटगेन ट्रैवल का आईपीओ सोमवार से बुधवार तक खुलेगा। कंपनी 405 से 425 रुपए के भाव पर आईपीओ लाएगी। इसके जरिए 1,335 करोड़ रुपए जुटाने की इसकी योजना है। उधर, राकेश झुनझुनवाला के निवेश वाली कंपनी स्टार अलाइड हेल्थ के शेयर्स 10 दिसंबर को लिस्ट होंगे। इसमें निवेशकों को घाटा होने की आशंका है, क्योंकि यह केवल 79 फीसदी ही भर पाया था।

20 दिसंबर को लिस्ट होगा शेयर

श्रीराम प्रॉपर्टीज का आईपीओ 8 दिसंबर से खुलेगा और 10 दिसंबर को बंद होगा। इसका शेयर स्टॉक एक्सचेंजपर 20 दिसंबर को लिस्ट होगा। कंपनी ने इश्यू का भाव 113 से 118 रुपए तय किया है। इस साल अप्रैल में मैक्रोटेक की लिस्टिंग के बाद रियल एस्टेट की यह दूसरी कंपनी है जो लिस्ट होने की तैयारी कर रही है। मैक्रोटेक ने 2,500 करोड़ रुपए जुटाए थे।

ऑफर फॉर सेल घटाया

कंपनी पहले ऑफर फॉर सेल के जरिए 550 करोड़ रुपए जुटाने वाली थी। इसे कम करके अब 350 करोड़ रुपए कर दिया है। आईपीओ का साइज 600 करोड़ रुपए का है जो पहले 800 करोड़ रुपए था। कंपनी इसमें से 200 करोड़ रुपए रीपेमेंट के लिए उपयोग करेगी। वित्तवर्ष 2021 में इसका रेवेन्यू 413 करोड़ रुपए का था जबकि 60 करोड़ रुपए का घाटा था। ऑफर फॉर सेल का मतलब मौजूदा प्रमोटर्स अपनी हिस्सेदारी कंपनी में बेचते हैं। इस महीने इश्यू के जरिए कंपनियां 20 हजार करोड़ रुपए तक जुटा सकती हैं। इसमें से 6 कंपनियां 10 हजार करोड़ रुपए तो 14 दिसंबर तक ही जुटा लेंगी।

स्मार्ट टीवी के लिए नया फीचर : अब स्मार्टफोन से ही इन्स्टॉल कर पाएंगे एंड्रॉयड ऐप, दोनों में एक ही अकाउंट का लॉगिन होना जरूरी

नई दिल्ली

गूगल ने एक ऐसा फीचर लेकर आ रहा है जिसकी मदद से ही आप स्मार्टफोन से ही एंड्रॉयड बेस्ड स्मार्ट टीवी पर प्ले स्टोर से ऐप इन्स्टॉल कर सकते हैं। गिज्मोचाइना की रिपोर्ट के अनुसार, यह ऑप्शन केवल उन ऐप्लिकेशन के लिए दिखाई देता है जो एंड्रॉइड टीवी पर उपलब्ध हैं। नए फंक्शन के साथ, गूगल स्मार्ट टीवी पर प्ले स्टोर पर ऐप्स ब्राउज करने की परेशानी को ठीक करने की कोशिश कर रहा है। गूगल, गूगल प्ले

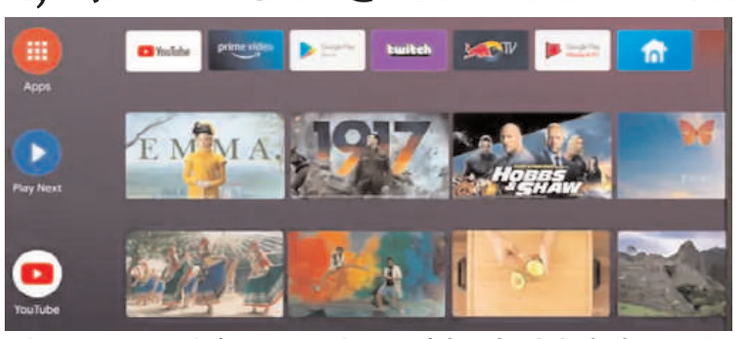

स्टोर पर इन्स्टॉल करने के लिए बटन में एक ड्रॉप-डाउन मेनू दिखता है

स्मार्टफोन से टीवी में ऐप इंस्टॉल करने का तरीका:- इसके लिए स्मार्टफोन और एंड्रॉयड टीवी दोनों में एक ही गूगल अकाउंट का लॉगिन होना जरूरी है। इसके बाद एंड्रॉयड टीवी पर चेक बॉक्स पर टैप करना होगा। और एंड्रॉयड टीवी पर ऐप लाने के लिए इन्स्टॉल बटन पर टैप कर सकते हैं। जो किसी अकाउंट में रजिस्टर्ड स्मार्ट डिवाइस की लिस्ट दिखाता है। ये नई सर्विस पहले कुछ ही यूजर्स के लिए थी, जिन्होंने प्ले स्टोर का लेटेस्ट वर्जन स्थापित किया है। अब यह दुनिया भर में सभी यूजर्स के लिए उपलब्ध है।

गोवा के मुख्यमंत्री ने ई-वाहनों को बढ़ावा देने की नीति का शुभारंभ किया

गोवा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शनिवार को ई-वाहनों (ईवी) के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए गोवा बिजली परिवहन संवर्द्धन नीति-2021 का शुभारंभ किया। सावंत ने यहां भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को प्रोत्साहन देने के लिए आयोजित गोलमेज के दौरान इस नीति की शुरुआत की। सावंत ने कहा कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य बैटरी से चलने वाले वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देना और राज्य के लोगों के लिए रोजगार पैदा करना है। नीति के तहत तहत प्रदान किए जा रहे लाभ पर उन्होंने कहा, ''हम विनिर्माण को प्रोत्साहन दे रहे हैं। गोवा में पंजीकृत सभी श्रेणी के ई-वाहनों पर पांच साल तक पथकर की छूट दी जा रही है।'' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ई-वाहनों के खरीदारों को सब्सिडी भी देगी और चार्जिंग ढांचा स्थापित करेगी।

एहतियात:ओमिक्रॉन के असर से निपटने में जुटीं इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटो कंपनियां

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोरोना की पहली दो लहरों के दौरान नुकसान उठाने वाली ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक कंपनियां कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन की आमद के साथ ही संभावित दिक्कतों से निपटने की तैयारी में जुटी हैं। कई कंपनियों ने कच्चे और तैयार माल का स्टॉक बढ़ाना शुरू कर दिया है। इसके अलावा सप्लाई की दिक्कत से निपटने के लिए 1-2 महीने की जरूरतों के लिए अतिरिक्त ऑर्डर भी दिए जा रहे हैं।

भारतीय कंपनियां दूसरे देशों से मंगवाती है कंपोनेंट्स

भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स और ऑटो कंपनियों के लिए कई छोटे-बड़े कंपोनेंट्स का आयात चीन, ताइवान, हॉन्गकॉन्ग और दक्षिण कोरिया जैसे देशों से होता है। कई कंपनियां तैयार माल भी इन देशों से आयात करती हैं। कंपनियों को डर है कि पिछले बार की तरह वायरस का संक्रमण बढ़ने पर ये देश अचानक बंदरगाह, एयरपोर्ट और कारखानों को बंद कर

सकते हैं। इसकी वजह से इंडस्ट्री के प्रोडक्शन में और इन्वेंटरी के प्रबंधन में दिक्कत आ सकती है। कंपोनेंट की किल्लत से पहले ही देश की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियों का प्रोडक्शन 15-20 फीसदी घट गया है।

चुनिंदा पुर्जों की इन्वेंटरी भी बढ़ाई जा रही

देश की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स के प्रवक्ता ने दैनिक भास्कर से कहा, 'हम पिछले अनुभवों से सबक लेकर सक्रिय रूप से सप्लायर्स को जोड़ रहे हैं।

कोई चांस नहीं लेना चाहते

गोदरेज अप्लायंसेज इन्वेंटरी लेवल एक माह की जगह दो माह करेगी। ओमिक्रॉन की वजह से शिपिंग चार्ज और बढ़ेंगे। इसके अलावा सप्लाई भी बाधित होने की आशंका है। इसके चलते हम कोई चांस नहीं लेना चाहते।

- कमल नंदी, वाइस प्रेसिडेंट, गोदरेज एंड बॉयस

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडइन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अप्रकाशित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज़

इस हफ्ते सोना 574 और चांदी 2,252 रुपए सस्ती हुई, 48 हजार के नीचे आया सोना

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में गिरावट देखी गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते सोना 574 रुपए सस्ता होकर 47,544 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इस हफ्ते की शुरुआत में यानी 29 नवंबर को ये 48,118 रुपए पर था।

2,200 रुपए से ज्यादा सस्ती हुई चांदी

IBJA की वेबसाइट के अनुसार के अनुसार इस हफ्ते चांदी में बड़ी गिरावट देखी गई है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 63,095 रुपए पर थी जो अब 60,843 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत में 2,252 रुपए की बढ़ोतरी हुई है।

आने वाले दिनों में फिर बढ़ सकते हैं दाम

केडिया कमोडिटी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि देश और दुनिया में महंगाई बढ़ रही है। इसके अलावा कई देशों में कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के आने के बाद मामले फिर बढ़ने लगे हैं। इससे सोने को सपोर्ट मिलेगा और ये अगले एक साल में 55 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

कोरोना के कारण सोने कीमतों में आ सकता है उछाल

IIFL सिक्योरिटीज के कमोडिटी एंड करेंसी ट्रेड के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि ब्याज दरों में बढ़ोतरी पर यूएस फेड का उदासीन रुख और बढ़ती महंगाई पहले ही सोने को सपोर्ट कर रही है। ऐसे में अब ओमिक्रॉन वायरस की खबर के बाद सोने की कीमतों में उछाल आने की पुरी संभावना है। मार्च 2022 तक सोना 52 हजार तक जा सकता है। आप सोना और चांदी का भाव आसानी से घर बैठे पता लगा सकते हैं। इसके लिए आपको सिर्फ 8955664433 नंबर पर मिस्ड कॉल देना है और आपके फोन पर मैसेज आ जाएगा।

नवंबर में बिकने वाली टॉप 10 कारों में मारुति की 7 कारें

नई दिल्ली। देश की सभी कंपनियों ने नवंबर के ऑटो सेल्स के आंकड़े जारी कर दिए हैं। नवंबर में टॉप 10 लिस्ट में मारुति सुजुकी की 7 कार शामिल हैं। इस तरह सबसे ज्यादा बिकने वाली कार में देश की सबसे बड़ी व्हीकल मैन्युफैक्चरर मारुति ने एक बार फिर बाकी सभी कंपनियों को पछाड़ दिया है। टॉप 10 की बाकी तीन कार हुंडई, किआ और टाटा मोटर्स की हैं। खास बात यह भी रही कि टॉप 3 कार में सिर्फ हैचबैक हैं, जबकि एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में इन दिनों ग्राहक SUV को सबसे ज्यादा पसंद कर रहे हैं। मारुति सुजुकी वैगनआर नवंबर में सबसे ज्यादा बिकने वाली कार रही है। बीते महीने इस हैचबैक की 16,853 यूनिट्स बिकी हैं।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।